E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

12th ANNIVERSARY

वर्ष -12 अंक - 94 | प्रयागराज, शुक्रवार 19 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका-ईरान युद्ध खत्म

ट्रम्प चिल्लाकर बोले- डील साइन, ईरानी राष्ट्रपति ने डिजिटल दस्तखत किए, रिपोर्ट- होर्मुज सिर्फ 60 दिन फ्री रहेगा

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने होर्मुज को खोलना और ईरान को परमाणु हथियार से रोकना

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका-ईरान समझौते के मसौदे में युद्ध खत्म करने, होर्मुज खोलने, तेल कहा है कि अगर वे समझौते के तहत किए गए अपने वादों को पूरा नहीं करते, तो ईरान भी यूरोपीय राजशाही की शक्ति और वैभव का प्रतीक बनाते हैं। वर्साय पैलेस का ऐतिहासिक महत्व भी

के लिए अंतरिम समझौते पर दस्तखत हो गए हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने बुधवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बैठक के दौरान पेरिस के वर्साय पैलेस में इस दस्तावेज पर साइन किए। इसके बाद ईरानी राष्ट्रपति पजशकियान ने भी ईरान से इलेक्ट्रॉनिक तरीके से समझौते पर दस्तखत किए। भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5 बजे इसके ऐलान के तुरंत बाद यह समझौता लागू हो गया। समझौते के तहत ईरान में युद्ध समाप्त होगा और लेबनान में भी संघर्ष खत्म करने की बात कही गई है। साथ ही होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने और अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी समाप्त करने की बात कही गई है। शांति समझौते पर 19 जून को जेनेवा के पास लूसर्न शहर में साइन होने थे, लेकिन निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही फ्रांस के ऐतिहासिक वर्साय पैलेस में इस पर दस्तखत कर दिए गए। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स:-1. ट्रम्प बोले- अमेरिका के टारगेट पूरे, उम्मीद से ज्यादा हासिल किया। ट्रम्प के मुताबिक, युद्ध खत्म करना, उनका लक्ष्य था, जो पूरा हो गया है। 2. डील नहीं मानने पर बम बरसाने की चेतावनी:-ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान ने अमेरिका के साथ हुए समझौते का उल्लंघन किया, तो उस पर फिर से बमबारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं

अमेरिका और ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए तैयार किए गए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने बुधवार देर रात डिजिटल हस्ताक्षर किए, जिसके साथ ही यह समझौता लागू हो गया। इस डील से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी ने बुधवार को रिपोर्टरों के साथ हुई एक कॉन्फ्रेंस कॉल में 14 पॉइंट्स वाले डील की पूरी जानकारी दी है। इसके मुताबिक होर्मुज को सिर्फ 60 दिनों के लिए मुफ्त खोले जाने की बात कही गई है। वही, ईरान ने परमाणु हथियार नहीं बनाने का भरोसा दिया है। इसके बदले में ईरान के लिए 300 अरब डॉलर (28 लाख करोड़ रुपए) का फंड बनाया जाएगा। अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर यह जानकारी दी।

निर्यात, प्रतिबंधों में राहत और जमे हुए फंड जारी करने समेत 14 पॉइंट्स पर सहमति बनी है। 5. जेडी वेंस बोले- ईरान को

करने देंगे। 3. चीन बोला- दोनों पक्ष समझौते का पूरी तरह पालन करें:-चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि सभी पक्षों को युद्धविराम का सम्मान करना चाहिए। चीन ने ईरान और लेबनान को मानवीय सहायता देने का भी ऐलान किया। 4. लीक ड्राफ्ट में 14 पॉइंट्स पर सहमति का दावा:-सीएनएन की

अमेरिका का एक डॉलर भी नहीं मिलेगा:-अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि 300 अरब डॉलर के पैकेज की खबरें भ्रामक हैं। अगर ईरान शर्तें मानता है तो दूसरे देश निवेश कर सकते हैं, लेकिन अमेरिका पैसा नहीं देगा। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए

इस समझौते की शर्तों का पालन नहीं करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने जंग खत्म करने और होर्मुज में जहाजों की आवाजाही फिर से शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। फ्रांस की राजधानी पेरिस के पास स्थित वर्साय पैलेस दुनिया के सबसे प्रसिद्ध राजमहलों में गिना जाता है। इसकी शुरुआत 1623 में राजा लुई 13वें के एक छोटे शिकार लॉज के रूप में हुई थी, लेकिन बाद में उनके बेटे लुई 14वें ने इसे भव्य शाही महल में बदल दिया। 1682 में लुई 14वें ने फ्रांस का शाही दरबार और सरकार पेरिस से वर्साय ट्रांसफर कर दी। इसके बाद फ्रांसीसी क्रांति (1789) तक यही महल फ्रांस की राजनीतिक सत्ता का केंद्र बना रहा। महल में करीब 2,300 कमरे हैं। इसका सबसे प्रसिद्ध हिस्सा हॉल ऑफ मिरर्स है, जिसमें 357 शीशे लगे हैं। महल के विशाल उद्यान और भव्य वास्तुकला इसे

बेहद खास है। 1919 में प्रथम विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद यहीं वर्साय की संधि पर हस्ताक्षर हुए थे। इस संधि ने युद्ध को औपचारिक रूप से खत्म किया, हालांकि इसकी कठोर शर्तों को बाद में द्वितीय विश्व युद्ध के प्रमुख कारणों में से एक माना गया। आज वर्साय पैलेस एक संग्रहालय और फ्रांस के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया गया है। पीस डील पर साइन के बाद ब्रेंट क्रूड 78.66 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। वहीं अमेरिकी तेल (वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट) 75.81 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। पिछले महीने यह 125 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया था। रॉयटर्स के मुताबिक, ईरान खत्म होने और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद बाजार में तेल सप्लाई बढ़ने की उम्मीद मजबूत हुई है। इसी वजह से कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना।

ईरान को रु28 लाख करोड़ हर्जाना, कभी परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा, डील के 14-पॉइंट्स की पूरी डिटेल

वॉशिंगटन डीसी। ईरान ने परमाणु हथियार नहीं बनाने का भरोसा दिया है। इसके बदले में ईरान के लिए 300 अरब डॉलर (28 लाख करोड़ रुपए) का फंड बनाया जाएगा। अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर यह जानकारी दी।1: सभी मोर्चों पर संघर्ष खत्म होगा-समझौते के पहले पॉइंट में कहा गया है कि अमेरिका, ईरान और उनके सहयोगी देशों के बीच सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई तुरंत और स्थायी रूप से बंद की जाएगी। इसमें लेबनान भी शामिल है। अमेरिका की नजर में यह मुद्दा इसलिए अहम है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चिंता थी कि हिजबुल्लाह के खिलाफ इजराइल की सैन्य कार्रवाई ईरान के साथ हुए इस समझौते को कमजोर कर सकती है। से इजराइल की चिंताओं को नजरअंदाज करने के रूप में देखा जा रहा है। इजराइल का कहना है कि लेबनान में मौजूद ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह बहुत बड़ा खतरा है। इजराइल पहले ही कह चुका है कि वह अमेरिका-ईरान बातचीत में लेबनान को लेकर हुई किसी भी सहमति को नहीं मानेगा।

पॉइंट-2: एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देंगे-समझौते में कहा गया है कि अमेरिका और ईरान एक-दूसरे की आजादी, सीमाओं और संप्रभुता का सम्मान करेंगे। दोनों देश एक-दूसरे के घरेलू मामलों में दखल भी नहीं देंगे। अमेरिकी अधिकारियों ने पत्रकारों को समझौते का जो हिस्सा पढ़कर सुनाया, उसमें यह बात साफ तौर पर शामिल थी। समझौते का यह हिस्सा ईरान के सरकार विरोधी गुटों को पसंद नहीं आ सकता। इन्हें उम्मीद थी कि अमेरिका भविष्य में भी ईरान में राजनीतिक बदलाव या लोकतंत्र समर्थक आंदोलनों का खुलकर समर्थन करेगा। दरअसल, इसी साल ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए कहा था कि उनकी मदद की जाएगी। लेकिन नए समझौते में एक-दूसरे के आंतरिक मामलों से दूर रहने की बात कही गई है। ऐसे में माना जा रहा है कि ईरान के अंदरूनी मुद्दों को लेकर अमेरिका का रुख पहले की तुलना में नरम हुआ है। पॉइंट-3: 60 दिनों में अंतिम समझौते का टारगेट-अमेरिका और ईरान ने अधिकतम 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते पर बातचीत पूरी करने और उसे लागू करने का टारगेट तय किया है। हालांकि, दोनों देशों की सहमति होने पर इस समयसीमा को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। दोनों देशों के नेताओं द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के

मोदी पहुंचे पेरिस- भारतीय मूल के लोगों ने किया स्वागत, ट्रम्प बोले- मोदी के रहते भारत पर हमला हुआ तो अमेरिका साथ

पेरिस/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार देर रात करीब 2 बजे (भारतीय समय अनुसार) पेरिस पहुंचे। यहां होटल के बाहर

भारतीय मूल के लोगों ने पीएम मोदी का स्वागत किया। मोदी ने लोगों से हाथ मिलाया और बच्चों को दुलारा भी। पीएम गुरुवार शाम Vivatech 2026 कार्यक्रम में शामिल होंगे। उनके साथ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी मौजूद रहेंगे। एक दिन पहले मोदी फ्रांस के एवियन शहर में आयोजित 52वें जी7 समिट में शामिल हुए। उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से 18 मिनट द्विपक्षीय बातचीत हुई। ट्रम्प ने वादा किया है कि मोदी के रहते कभी भारत पर हमला होता है तो अमेरिका मदद के लिए साथ खड़ा होगा। मोदी के अलावा कोई और नेता भारत में होगा तो मुझे सोचना पड़ेगा। यूरोप का बड़ा तकनीकी सम्मेलन है Vivatech-Vivatech यूरोप का बड़ा तकनीकी सम्मेलन है, जहां दुनियाभर की नई इंडस्ट्रीज, टेक्निक कंपनियां, इंवेस्टर और एक्सपर्ट नई टेक्निक और इनोवेशन का डिस्प्ले करते हैं। मुख्य तौर पर आर्टिफिशिअल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप और उद्यमिता, डिजिटल प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, हरित प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, भविष्य की उभरती तकनीकों पर उन पर चर्चा करते हैं। यहां भारत का राष्ट्रीय मंडप (इंडिया पैवेलियन) भी स्थापित किया गया है, जहां देश के स्टार्टअप, नवाचार और तकनीकी उपलब्धियों का प्रदर्शन किया जा रहा है। दरअसल, पीएम मोदी की 6 दिन फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा का आज अंतिम दिन है। मोदी 13-14 जून तक फ्रांस के नीस शहर में थे। इसके बाद 14 से 16 तक स्लोवाकिया में रहे। वहां से लौटकर एवियन में जी7 समिट में शामिल हुए।जी7 समिट में ट्रम्प बोले- मैं मोदी की तरह नहीं-17 जून को फ्रांस के एवियन शहर में 52वें जी7 समिट का दूसरा दिन रहा। पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की द्विपक्षीय चर्चा हुई। इसमें ट्रम्प ने कहा- जब तक मैं प्रेसिडेंट हूं, व्हाइट हाउस में मोदी का हमेशा अच्छा दोस्त मौजूद रहेगा।ट्रम्प ने पीएम मोदी की तारीफ में कहा- जब तक मोदी लीडर हैं, इंडिया हर फील्ड में बड़ा रोल निभाएगा। मोदी शांत और जबरदस्त नेता हैं, लेकिन मैं मोदी की तरह नहीं हूं। बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि समुद्र में भारतीयों की सुरक्षा जरूरी है। उम्मीद है कि ईरान के साथ डील में भारतीयों की सुरक्षा पक्की की जाएगी। मोदी ने भारतीय की मौत का मुद्दा उठाया-पीएम मोदी ने जी7 समिट में 16 जून और 17 जून दोनों ही दिन होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा उठाया। उन्होंने समिट के पहले दिन मंगलवार को आउटरीच सेशन में कहा था कि इस अहम समुद्री मार्ग में कई भारतीयों ने जान गंवाई है और वैश्विक व्यापार को जोड़ने वाले नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी देशों की जिम्मेदारी है। जी7 समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई प्रमुख वैश्विक नेताओं से मुलाकात की।

यूक्रेन ने रूस पर किया सबसे बड़ा ड्रोन अटैक,हजारों ड्रोन-क्रूज मिसाइलें भी दागीं, ऑयल डिपो धमाके से तबाह

मॉस्को/कीव। यूक्रेन ने गुरुवार को रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रातभर में करीब 1,000 ड्रोन और चार क्रूज

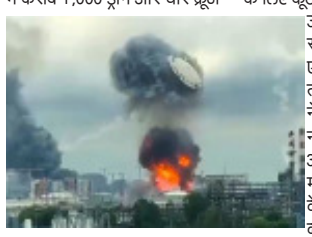

मिसाइलों को मार गिराया गया। इनमें करीब 200 ड्रोन राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र के एक ऑयल डिपो धमाके से तबाह हो गया, यहां मौजूद एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं मॉस्को की कपोतन्या ऑयल रिफाइनरी पर भी हमला हुआ। विस्फोट के बाद ऑयल डिपो टैंक का ढक्कन कई मीटर ऊपर उछल गया और आसमान में काले धुएं के गुबार छा गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पास के एक शॉपिंग सेंटर में भी आग लग गई। ड्रोन का मलबा गिरने से कुछ रिहायशी और व्यावसायिक इमारतों को नुकसान पहुंचा। कई ऊंची इमारतों को खाली कराया गया। हमले के बाद मॉस्को के हवाई अड्डों पर कुछ समय के लिए उड़ानों पर रोक लगाई गई। जेलेंस्की बोले- यूक्रेन जलेगा तो मॉस्को भी जलेगा- यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मॉस्को पर हुए हमले को पिछले हफ्ते कीव पर रूस की कार्रवाई का जवाब बताया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना ने उन ठिकानों को निशाना बनाया, जो रूस के युद्ध अभियान को सहारा दे रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि अब समय आ गया है कि रूस युद्ध खत्म करने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाए। उन्होंने यूक्रेन की विभिन्न सैन्य और खुफिया एजेंसियों की कार्रवाई की तारीफ भी की। जेलेंस्की ने कहा, 'हम यह युद्ध नहीं चाहते थे, लेकिन अगर यूक्रेन जलेगा तो मॉस्को भी जलेगा।' हमले के समय रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन कजान में दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के नेताओं के साथ शिखर बैठक में मौजूद थे। उन्होंने मॉस्को पर हुए इस बड़े हमले को लेकर अभी तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। जी7 देशों ने यूक्रेन को मदद देने का ऐलान किया-मॉस्को पर बड़े हमले के बीच जी7 देशों ने यूक्रेन के लिए सैन्य मदद बढ़ाने का ऐलान किया है। संगठन ने कहा कि यूक्रेन को ज्यादा एयर डिफेंस सिस्टम, इंटरसेप्टर और लंबी दूरी के हथियार दिए जाएंगे। इसके अलावा रूस के तेल और गैस कारोबार पर प्रतिबंध और सख्त किए जाएंगे। जी7 देशों ने सर्दियों से पहले यूक्रेन की बिजली और ऊर्जा जरूरतों के लिए भी अतिरिक्त मदद देने का भरोसा दिया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्हें लगा था कि रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म कराना आसान होगा, लेकिन दोनों देशों के बीच गहरी दुश्मनी ने बातचीत को मुश्किल बना दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी वोलोदिमिर जेलेंस्की और व्लादिमिर पुतिन दोनों से अच्छी बातचीत हुई है और वह इस युद्ध का अंत देखना चाहते हैं।

अमेरिका ने अपने सबसे बड़े सैन्य कमांड से 'इंडो' शब्द हटाया,चीन के खिलाफ भारत को अहमियत देने के लिए खुद ट्रम्प ने ही नाम बदला था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड (USINDOPACOM) का नाम

बदलकर फिर से ऊए पैसिफिक कमांड (USPACOM) कर दिया गया है। अब इस कमांड से 'इंडो' शब्द हटा दिया गया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने 2018 में कमांड के नाम में बदलाव किया था। उस समय अमेरिका ने कहा था कि हिंद महासागर (इंडियन ओशियन) क्षेत्र का रणनीतिक महत्व बढ़ रहा है और यह क्षेत्र प्रशांत महासागर (पैसिफिक ओशियन) की सुरक्षा व्यवस्था से पहले की तुलना में ज्यादा जुड़ गया है। 2018 में अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने इस सैन्य कमांड का नाम बदलकर इंडो-पैसिफिक कमांड कर दिया था। अमेरिका का कहना था कि हिंद महासागर का महत्व तेजी से बढ़ रहा है और अब हिंद महासागर तथा प्रशांत महासागर की सुरक्षा और रणनीति एक-दूसरे से पहले से ज्यादा जुड़ गई हैं। इसलिए कमांड के नाम में इंडो (हिंद महासागर) को भी शामिल किया गया था।यूएस-पैसिफिक कमांड क्या है? अमेरिकी सेना पूरी दुनिया को अलग-अलग क्षेत्रों में बांटकर चलती है। इनके लिए 11 कमांड हैं। इनमें से 6 स्ट्रैटेजिक और 5 फंक्शनल कमांड हैं। यूएस पैसिफिक स्ट्रैटेजिक कमांड का हिस्सा है। यह अमेरिका की सबसे बड़ी और सबसे अहम सैन्य कमांडों में से एक है। यह कमांड एशिया और प्रशांत महासागर इलाके में एक्टिव है। अब नाम बदलने पर चर्चा क्यों है? अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूएस पैसिफिक कमांड नाम बहुत पुराना और ऐतिहासिक है। इसे वापस लाने से सैनिकों को अपनी विरासत पर गर्व महसूस होगा। यह नाम कई बड़े युद्धों और महत्वपूर्ण मिशनों से जुड़ा रहा है, इसलिए इसे फिर से अपनाया गया है। पेंटागन ने यह भी कहा कि कमांड का सिर्फ नाम बदला है, रणनीति और जिम्मेदारियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि इंडो शब्द हटने से यह मैसेज जा सकता है कि अमेरिका हिंद महासागर और भारत को पहले जितना प्रमुख महत्व नहीं दिखाना चाहता। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प चीन को सबसे बड़ा खतरा मानते थे। तब वे दिखाना चाहते थे कि भारत उसकी एशिया रणनीति का अहम हिस्सा है और चीन को काउंटर करने में भारत की अहम भूमिका है। उन्होंने यह भी जताने की कोशिश की थी कि हिंद महासागर और प्रशांत महासागर को एक ही रणनीतिक क्षेत्र हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अब शायद ट्रम्प की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। थरूर ने क्वाड के भविष्य पर जताई चिंता-कमांड का नाम फिर से बदले जाने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अमेरिकी आदेश की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, क्या यह क्वाड के ताबूत में एक और कील है?

पाकिस्तान के गुरुद्वारे में सेवादार दंपती की गोलियां मारकर हत्या, हमले के बाद सीसीटीवी गायब

अमृतसर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को एक गुरुद्वारे के अंदर फायरिंग में सिख केयरटेकर दंपती की हत्या कर दिया। पुलिस के मुताबिक, घटना पेशावर से करीब 60 किमी दूर मरदान के बाबू मोहल्ला इलाके में हुई। मरदान के जिला पुलिस अधिकारी मसूद अहमद ने बताया कि अज्ञात हमलावरों ने गुरुद्वारे के भीतर फायरिंग की। इसमें जगन्नाथ और उनकी पत्नी आसमा वंती की मौत हो गई। पुलिस हमले की वजह और आरोपियों का पता लगाने में जुटी है। हमले के बाद से गुरुद्वारे के सीसीटीवी फुटेज भी गायब हैं। इसे लेकर स्थानीय सिख नेताओं सवाल उठाए हैं। पुलिस भी इसे टारगेट किलिंग मानकर जांच कर रही है। गुरुद्वारे में घुसकर हमलावरों ने बरसाईं गोलियां-पुलिस के अनुसार, यह वारदात बुधवार को उस समय हुई जब दंपती गुरुद्वारे में सेवा कर रहा था। अज्ञात हमलावर गुरुद्वारा परिसर में दाखिल हुए और उन्होंने दंपती पर अंधाधुंध गोलियां चला

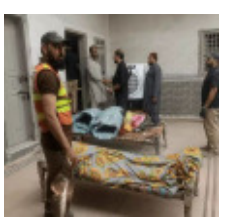

दीं। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू कर दी गई। मरदान के जिला पुलिस अधिकारी मसूद अहमद ने बताया कि हत्या के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है और हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने विशेष जांच टीमें बनाई हैं और फॉरेंसिक व तकनीकी मदद से जांच कर रही है। असेंबली के सदस्य ने उठाए सवाल खैबर पख्तूनख्वा असेंबली के सदस्य सुरेश कुमार ने आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की और पुलिस को जांच में प्रगति दिखाने के लिए 24 घंटे का समय दिया। उन्होंने कहा कि इलाके में सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी के बावजूद ऐसी घटना बेहद चिंताजनक है। सुरेश कुमार ने सीसीटीवी सबूतों के रखरखाव पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि घटनास्थल से डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर लापरवाही से हटाया गया, जिससे जांच की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं।

महिला आयोग की सदस्य ने महिला उत्पीड़न से संबंधित सुनीं शिकायतें

महिला आयोग की सदस्य ने महिलाओं से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को जन-जन तक पहुचाने के लिए दिये निर्देश, महिला जनसुनवाई में प्राप्त हुई 10 शिकायते, महिला आयोग की सदस्य द्वारा जनजागरूकता चौपाल में जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बुधवार को मा0 सदस्य उ0प्र0 राज्य महिला आयोग पुनम द्विवेदी ने जिला पंचायत सभागार में महिला उत्पीड़न व उनकी समस्याओं से जुड़े मुद्दो के बारे में अधिकारियों से समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होने जन सुनवाई करते हुए घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, वैवाहिक समस्या, लैंगिक भेदभाव, शिक्षा व रोजगार आदि संबंधी शिकायत सुनी। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए पीड़ित महिलाओ को शीघ्र न्याय दिलाया जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि महिलाओं के उत्पीड़न व महिला से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्ध तरीके से किया जाये तथा महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार ग्राम पंचायत व ग्रामीण स्तर पर कराया जाये। जिन प्रकरणों में अभी कार्यवाही लंबित है उन्हें भी आयोग के संज्ञान में लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोग के निर्देश है कि महिलाओं और बच्चों से संबंधित प्रकरणों

में शीघ्र कार्रवाई की जाए। महिला जन सुनवाई के दौरान 10 शिकायत प्राप्त हुई जिन्हें शीघ्र निस्तारित करने का निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि पीड़ित महिलाओं को निःशुल्क विधिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। महिला आयोग सदस्य ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं न्याय सुनिश्चित करना राज्य महिला आयोग की प्राथमिकता है और किसी भी पीड़िता के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। इसके पश्चात मा0 सदस्य महिला आयोग द्वारा विकास खण्ड खीरों में जनजागरूकता चौपाल में प्रतिभाग कर सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। मा0 सदस्य द्वारा 02 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा, सहायक श्रमायुक्त शशी सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी संजय सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी वीरेन्द्र पाल, जिला मिशन समन्वयक शेफाली सिंह, जेन्डर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, काउन्सलर श्रद्धा सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी का हुआ भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अखिल भारतीय हिंदू

महासभा (भारत)के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी माननीय अनिल शर्मा के रायबरेली आगमन पर सभी हिंदू महासभा के पदाधिकारी के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। औपचारिक बैठक के साथ प्रदेश संयोजक राजेंद्र अवस्थी ने संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रदेश उपाध्यक्ष अनूप अग्रवाल को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का प्रभार सौंपते हुए विश्वास जताया गया की संगठन की इकाइयों का विस्तार किया जाएगा। इसी क्रम महासभा के द्वारा आयोजित आगामी जुलाई और अगस्त के धार्मिक, सामाजिक, आध्यात्मिक कार्यक्रमों की भी चर्चा की गई। इसी कड़ी में जिला संरक्षण महेंद्र अग्रवाल ने बताया कि 3 जुलाई से शुरू हो रही है अमरनाथ यात्रा में रायबरेली जनपद से 1 जुलाई को शिव भक्तों का जत्था रायबरेली जनपद से निकलेगा जिनका स्वागत अखिल भारतीय हिंदू महासभा के द्वारा किया जाएगा। संगठन के पदाधिकारी के साथ बैठक के उपरांत सभी को जिम्मेदारियां सौंप गई। और संगठन के विस्तार के लिए कार्य योजना तैयार की गई। उक्त बैठक में प्रदेश संयोजक राजेंद्र अवस्थी, प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र अग्निहोत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष अनूप अग्रवाल, जिला अध्यक्ष विवेक मिश्रा, जिला प्रवक्ता पंकज मिश्रा, नगर अध्यक्ष पंकज सोनी, प्रतापगढ़ जिला अध्यक्ष सुनील पाठक, पवन कुमार , राजेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन एवं विकास प्रदर्शनी कार्यक्रम का भव्य आयोजन

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने द्वितीय दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में किया प्रतिभाग,'विकसित भारत संकल्प' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने का जन आंदोलन-उद्यान मंत्री, केन्द्र एवं प्रदेश सरकार जनकल्याण के उद्देश्य से निरंतर कर रही कार्य - दिनेश प्रताप सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष एवं प्रदेश सरकार के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामुदायिक केन्द्र रतापुर में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन एवं विकास प्रदर्शनी' कार्यक्रम के द्वितीय दिवस राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात, उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान मा0 मंत्री ने सर्वप्रथम सूचना विभाग द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं लाभार्थियों को मिल रहे लाभ की जानकारी प्राप्त की। स्टालों के निरीक्षण के समय मा0 मंत्री जी द्वारा तीन बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया तथा तीन गर्भवती महिलाओं को पोषण किट वितरित कर गोद भराई की और उनके

के 02 लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र, वृद्धावस्था पेंशन के 11 लाभार्थियों को हितलाभ प्रमाण पत्र, बाल विकास पुष्टाहार विभाग के अन्तर्गत 13 लाभार्थियों को नई रेसिपी पोषाहार किट का वितरण किया गया। साथ ही 'कन्या जन्मोत्सव' कार्यक्रम के अंतर्गत 25 नवजात कन्याओं का जन्म दिवस केक काट कर व बेटी किट वितरित कर उत्साहपूर्वक मनाया गया, जो 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की भावना को सशक्त करता है। उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार जनकल्याण के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रही है। विगत वर्षों में गरीब, किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत संकल्प' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश को आत्मनिर्भर एवं सशक्त स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के 05 लाभार्थियों व स्पॉन्सरशिप योजना द्वारा ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे आमजन को योजनाओं की जानकारी मिल सके और वे उनका लाभ उठा सकें। मंत्री ने कहा कि जनपद के अधिकारी सरकार की मंशा के अनुरूप पूरी लगन व निष्ठा के साथ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को दिलाने का कार्य कर रहें है, आज बिना किसी भेदभाव के योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगे भी इसी प्रकार योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से आच्छादित किया जाए। उन्होंने आमजन से भी आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाएं। मंच का संचालन एस0एस0 पांडेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त (श्रम रोजगार) प्रमोद सिंह, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 मुनेश चन्द्र, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, जिला समाज कल्याण अधिकारी रणविजय सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी, जिला उद्यान अधिकारी जयराम वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण व लाभार्थीगण उपस्थित रहें।

वाराणसी के हीरामनपुर में ग्रामीणों ने शराब का ठेका खोलने का विरोध, कहा अस्पताल के पास नहीं खुलने देंगे ठेका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। सिंधौरा स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत हीरामनपुर ग्राम में शराब का ठेका खोलने के प्रस्ताव पर ग्रामीणों में गुस्सा पनप रहा है। उनका कहना है कि जिस मुख्य मार्ग पर ठेका खोला जा रहा है, वहां पर धार्मिक स्थल और अस्पताल हैं। गांव की बहू-बेटियां भी यहां से होकर निकलती हैं। ऐसे में ठेका खुलने से शराबी उन्हें परेशान कर सकते हैं। इसमें कई समस्याएं बताते हुए गांव में शराब का ठेका नहीं खोले जाने की मांग की है। गांव के ही रहने वाले अंबर कुमार, बजरंगी यादव आदि गांव वालों ने बताया है कि गांव के बाजार में कंपोजिट शराब की दुकान जिसके मालिक राजेश उपाध्याय को शासन द्वारा दारू का ठेका खोलने का लाइसेंस दिया गया है, लेकिन आबकारी विभाग द्वारा शासन के नियमों को ताक पर रखकर कंपोज़िट शराब का ठेका खोलने की प्रक्रिया को जारी रखे हुए है। गांव की महिलाओं को खेतीबाड़ी के कार्य के लिए इसी मार्ग से आना जाना होता है। आबकारी नियमों के अनुसार स्कूल व धार्मिक स्थलों के आसपास शराब की दुकान खोलना वर्जित है, उन्होंने जनहित में महिलाओं व बेटियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्तावित कंपोज़िट शराब की दुकान को तत्काल हटाने की मांग की है। विरोध करने वाले हैं मुख्य रूप से त्रिभुवन ,छेदी, रामेश्वर, रीमा, मानसा देवी,भागीरथी देवी आदि के नाम है।

योग शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का माध्यम, विद्यार्थियों से लेकर हर वर्ग के लिए उपयोगी- निदेशक प्रो डॉ अमिता जैन

मातृभूमि सेवा मिशन के विश्व योग महोत्सव का शुभारंभ, सई नदी तट पर गूंजा निरोगी जीवन का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सई नदी तट स्थित शहीदों की पावन धरती राणा बेनी माधव बख्श सिंह पार्क बुधवार सुबह योग चेतना, स्वास्थ्य जागरूकता और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बन

गई। मातृभूमि सेवा मिशन की ओर से आयोजित पांच दिवसीय विश्व योग महोत्सव एवं जनसंवाद समारोह का शुभारंभ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायबरेली की निदेशक प्रोफेसर डॉ. अमिता जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने शांति, स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली के संदेश के प्रतीक गुब्बारे आकाश में छोड़कर आयोजन का विधिवत आगाज किया,इसके साथ ही पर्यावरण के दृष्टिकोण से वृक्षारोपण भी किया। प्रतिष्ठित संस्थान एम्स रायबरेली का नेतृत्व कर रहीं निदेशक प्रो. डॉ. अमिता जैन ने योग को स्वस्थ जीवन की आधारशिला बताते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का विज्ञान है। यह व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक स्थिरता और आत्मविश्वास का विकास करता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के साथ योग भारतीय परंपरा का ऐसा अमूल्य उपहार है, जो निरोगी जीवन की दिशा दिखाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग आज विश्व पटल पर भारत की पहचान बन चुका है। विश्व योग दिवस ने योग को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है। सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता से ही योग का संदेश व्यापक स्तर तक पहुंचेगा। मातृभूमि सेवा मिशन का यह प्रयास स्वस्थ समाज निर्माण और योग को जनआंदोलन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। डॉ. अमिता जैन ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार हम अपने मोबाइल को समय-समय पर रिचार्ज करते हैं, उसी प्रकार शरीर और मन को स्वस्थ रखने के लिए योग और ध्यान जरूरी है। योग के लिए दिया गया समय बर्बाद नहीं होता, बल्कि यह जीवन को बेहतर बनाने वाला निवेश है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति के विचारों में संतुलन लाता है और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की शक्ति देता है। मातृभूमि सेवा मिशन के अध्यक्ष रामराज गिरी ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ जीवन, अनुशासन और आत्मिक शांति का माध्यम है। अवध क्षेत्र मंडल अध्यक्ष भगवत प्रताप सिंह ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग निरोगी जीवन की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि सेवा मिशन का यह प्रयास जन-जन तक योग पहुंचाने की दिशा में सराहनीय पहल है। मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित इस पांच दिवसीय योग महोत्सव में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवतियों, बच्चों, युवाओं और पुरुषों ने सहभागिता की। योग शिविर में स्वस्थ जीवन के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण भी किया गया। आयोजन समिति की ओर से योग शिविर में पहुंचे नन्हे-मुन्ने बच्चों को पुस्तकों की किट वितरित की गई। कार्यक्रम में इं. विजय रस्तोगी, वरिष्ठ पत्रकार अशोक शर्मा, पूर्व बहादुर सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।भूतपूर्व सैनिकों के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भी योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। मातृभूमि सेवा मिशन के वरिष्ठ संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, जिला पतंजलि योग प्रभारी प्रकाश नारायण पाठक, मुख्य योग प्रशिक्षक डीके सिंह, मुख्य योग प्रशिक्षक अशोक सिंह, महामंत्री देवेंद्र नाथ मिश्रा, विधिक सलाहकार अजय पाल सिंह, संरक्षक अजय मिश्रा, इकाई के मीडिया प्रभारी राजेश पांडेय सहित शहर और जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन इकाई के सलाहकार एवं शिक्षाविद डॉ. संतलाल ने किया। पूरे पार्क परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मुख्य द्वार पर स्वागत द्वार, होल्डिंग बैनर और प्रदर्शनी गैलरी बनाई गई थी, जिसमें मातृभूमि सेवा मिशन के सामाजिक कार्यों की झलकियां प्रदर्शित की गईं। एम्स निदेशक प्रो. डॉ. अमिता जैन ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर मिशन के कार्यों की सराहना की। आयोजन में जिलाधिकारी की उपस्थिति प्रस्तावित थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं। इसके बावजूद एम्स निदेशक की गरिमामयी उपस्थिति और प्रेरक संबोधन ने योग महोत्सव को नई ऊर्जा प्रदान की।

अमेरिकी नौसेना द्वारा भारतीय वाणिज्य जहाजों पर कायरता पूर्ण हमला और चालक दल के तीन नाविक की मौत पर वामदलों का प्रतिवाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरुवार को कम्युनिस्ट नेताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर अमेरिकी सरकार के खिलाफ विरोध जताया और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। वाम दलों के कार्यकर्ताओं ने होर्मुज (जलडमरूमध्य) से गुजर रहे भारतीय जहाजों पर अमेरिकी नौसेना द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले, जिसमें भारतीय चालक दल के तीन

नाविकों की मौत पर संयुक्त रुप से कड़ा प्रतिवाद दर्ज कराया और इस सम्बन्ध में गुरुवार को कलेक्ट्रेट पर एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया तथा राष्ट्रपति को सम्बोधित जिलाधिकारी को सौंपा। संयुक्त वामदलों द्वारा ज्ञापन में कहा गया कि अमेरिकी प्रशासन की ये कार्रवाइयां संयुक्त राष्ट्र चार्टर तथा अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्रों में मुक्त नौवहन के सिद्धांतों के विरुद्ध है। अमेरिका पूरी दुनिया पर अपना वर्चस्व थोपने की कोशिश करने वाले किसी गुण्डे की तरह व्यवहार कर रहा है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। आगे कहा गया कि भाजपा नीत केन्द्र सरकार स्वतंत्र विदेश नीति से पीछे हटकर अमेरिका की कनिष्ठ साझेदार बनने के कारण अपने कर्तव्यों का घोर उल्लंघन कर रही है। इस घटना पर सरकार की कमजोर प्रतिक्रिया और अमेरिका से माफी मंगवाने में उसकी विफलता इसका ताजा उदाहरण है। यह भारत की संप्रभुता और राष्ट्रीय स्वाभिमान का अपमान है।ईरान और पश्चिम एशिया के खिलाफ अमेरिकी हमलों ने उर्जा लागत में वृद्धि, उर्वरकों तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं में कमी पैदा करके वैश्विक अर्थव्यवस्था को गम्भीर रूप से प्रभावित किया है। ज्ञापन में केंद्र सरकार से मांग की गई कि केंद्र सरकार मारे गए नाविकों के परिवारों को पर्याप्त मुआवजा देना सुनिश्चित करे, भारत सरकार नाविकों की हत्या के लिए अमेरिकी सरकार की कड़ी निन्दा करे तथा कूटनीतिक विरोध दर्ज कराए और अमेरिकी दबाव में आए बिना स्वतंत्र विदेश नीति का अनुपालन सुनिश्चित करे। प्रतिवाद कार्यक्रम में भाकपा जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, माकपा के जिला मंत्री कामरेड नन्द लाल आर्या, किसान सभा के नेता कामरेड प्रेम नाथ, राजबली, कामरेड उदय प्रकाश, कामरेड राम बचन व कामरेड लाल बहादुर आदि कम्युनिस्ट कार्यकर्ता शामिल रहे।

मानसिक रूप से विक्षिप्त पति की जमीन पर भू-माफियाओं का कब्जा करने का आरोप

पीड़िता राधा ने डीएम एवं एसपी से लगाई गुहार- बच्चों के जीविकोपार्जन की एकमात्र जमीन बचाई जाए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। तहसील रॉबर्ट्सगंज

के ग्राम सण्डा, परगना विजयगढ़ निवासी राधा पत्नी काजू उर्फ कामेश्वर ने जिलाधिकारी अथवा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को प्रार्थना पत्र देकर जमीन हड़पने की साजिश का आरोप लगाया है। राधा ने बताया कि उनके पति काजू उर्फ कामेश्वर मानसिक रूप से विक्षिप्त हैं। उनका इलाज मनोचिकित्सक से चल रहा है। मौजा मरकरी, परगना विजयगढ़, तहसील रॉबर्ट्सगंज में स्थित आराजी संख्या 64 रकबा 1.130 हे0 भूमि का 1/2 अंश पति के नाम माल खतौनी में दर्ज है। यही जमीन राधा व उनके बच्चों के जीविकोपार्जन का एकमात्र सहारा है और उस पर उनका कब्जा-दखल है। आरोप है कि वार्ड नं0 24 कमल प्रिंटिंग प्रेस, उत्तर मोहाल, रॉबर्ट्सगंज निवासी राजकुमार पुत्र विश्वनाथ ने पति की मानसिक विक्षिप्तता का फायदा उठाकर 0.253 हे0 यानी 1 बीघा जमीन का बैनामा बहुत कम कीमत 9 लाख रुपये में अपनी पत्नी निरंजनी सैनी के नाम करा लिया। वहीं बची 0.312 हे0 जमीन का इकरारनामा वास्ते बैनामा मिशन अस्पताल के पास निवासी भू-माफिया ओ के साथ बिना प्रतिफल के कर लिया गया। ग्राम मरकरी में जमीन की कीमत 5 लाख रुपये प्रति बिस्वा चल रही है। राधा ने मांग की कि फर्जी दस्तावेज बैनामा व इकरारनामा के आधार पर जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे लोगो के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई कर तत्काल कब्जा रोका जाए, अन्यथा वे बच्चों सहित भूखों मरने को मजबूर हो जाएंगी।

मण्डल स्तरीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन आज आई0टी0आई0 नैनी में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उ0प्र0 कौशल

विकास मिशन, राजकीय आई0टी0आई0 एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 19 जून, 2026 को राजकीय आई0टी0आई0 नैनी, प्रयागराज में प्रातः 10:00 बजे से एक दिवसीय मण्डल स्तरीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। उक्त मेले में निजी क्षेत्र की कम्पनी टाटा मोटर्स, फ्लिपकार्ट, रिलाइंस, भारत मोटर्स, लावा मोबाइल, ब्लिंकिट, लेनोवो जैसी इत्यादि 60 कम्पनियों द्वारा लगभग 9000 रिक्त पदो पर चयन की कार्यवाही की जायेगी। रोजगार मेले में जूनियर हाई स्कूल, इण्टर, स्नातक, आई0टी0आई0, डिप्लोमा, बी0टेक, उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत प्रशिक्षित 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र, अंक पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र की छायाप्रति के साथ प्रतिभाग कर सकते है।

प्रयागराज सबसे गर्म-तापमान पहुंचा 45डिग्री, तेज आंधी के साथ बारिश का अलर्ट,गर्मी से लोग परेशान

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में बुधवार शाम आई तेज आंधी और बारिश के बाद गर्मी से थोड़ी ही देर की राहत

मिली , लेकिन गुरुवार सुबह से ही तेज और चटक धूप निकलने के कारण गर्मी का असर फिर बढ़ गया है। सुबह से ही कड़ी धूप और उमस ने लोगों को परेशान कर रखा है। शहर में तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, इसके पहले 3 दिन से तापमान 40 के ऊपर बना हुआ है. जिससे दोपहर के समय सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है। तेज धूप के कारण लोगों को गर्म हवाओं का भी असर तेज है। लोग धूप से बचने के लिए बाहर गमछा, टोपी और छाता का सहारा ले रहे हैं। बुधवार को दिनभर तेज धूप रहने के बाद शाम के समय अचानक मौसम बदला था। शहर के कई इलाकों में तेज आंधी चली और हल्की से मध्यम बारिश भी हुई। हालांकि बारिश के बावजूद गर्मी का असर पूरी तरह कम नहीं हुआ और मौसम में उमस बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले समय में मौसम फिर बदल सकता है। विभाग ने तेज आंधी और बारिश की संभावना जताई है। हालांकि इसके साथ ही गर्मी का असर भी बना रह सकता है। लगातार बढ़ रही गर्मी ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। अब सभी की निगाहें मानसून की दस्तक पर टिकी हैं, जिससे इस तपिश से राहत मिलने की उम्मीद है।

पत्रकार के खिलाफ कथित झूठी शिकायत के विरोध में भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म.प्र/ब्योहारी। पत्रकार के खिलाफ की गई कथित झूठी शिकायत के विरोध में भारतीय

श्रमजीवी पत्रकार संघ, ब्लॉक इकाई ब्योहारी के सदस्यों ने 17 जून 2026 को रेस्ट हाउस ब्योहारी में बैठक आयोजित कर निंदा प्रस्ताव पारित किया। बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने एकजुटता दिखाते हुए संबंधित मामले की निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग को लेकर थाना प्रभारी जियाउल हक को ज्ञापन सौंपा। कांट-छांट कर वायरल किए जाने का आरोप- पत्रकार निलेश सोनी का आरोप है कि ग्राम पंचायत साखी में पीसीसी सड़क निर्माण कार्य चल रहा है, जिसमें सूर्यभान यादव द्वारा कार्य में बाधा उत्पन्न किए जाने तथा कथित रूप से धन की मांग किए जाने संबंधी शिकायत सरपंच द्वारा मौखिक रूप से की गई थी। मामले की वास्तविकता जानने के लिए निलेश सोनी ने सूर्यभान यादव से फोन पर संपर्क किया, लेकिन बातचीत के दौरान विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। आरोप है कि बाद में बातचीत के एक हिस्से की रिकॉर्डिंग को काट-छांट कर सोशल मीडिया में वायरल किया गया तथा थाना ब्योहारी में शिकायत प्रस्तुत की गई। शिकायत में नाम जोड़कर बदनाम करने का आरोप- ज्ञापन में कहा गया है कि थाना ब्योहारी में प्रस्तुत शिकायत में पत्रकार रामराज गुप्ता का नाम भी अंकित किया गया है, जबकि उनका उक्त बातचीत से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। पत्रकार संघ का कहना है कि उपलब्ध रिकॉर्डिंग एवं तथ्यों की निष्पक्ष जांच से वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है। संघ ने आरोप लगाया कि बिना पर्याप्त आधार के नाम जोड़कर पत्रकारों की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच की मांग-पत्रकार संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक जांच कराई जानी चाहिए, जिससे सत्य सामने आ सके। संघ ने प्रशासन से मांग की है कि यदि शिकायत में लगाए गए आरोप असत्य पाए जाते हैं तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के ब्लॉक इकाई ब्योहारी के सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मैहर-अमरपाटन रोड पर देर रात भीषण सड़क हादसा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। नेशनल हाईवे-30 (मैहर-अमरपाटन रोड) पर बुधवार को

देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे का कारण सड़क पर बने बड़े गड्ढों को बताया जा रहा है। हादसे में घायल व्यक्ति की पहचान राकेश चौधरी, निवासी छोटी पहाड़ी, के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल की मदद की और 112 डायल कर पुलिस एवं एम्बुलेंस को सूचना दी। इसके बाद घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

टीईटी की अनिवार्यता वापस लेने की मांग को लेकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

के आह्वान पर गुरुवार को जनपद अमेठी के शिक्षकों ने टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के हितों की रक्षा एवं सेवा सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग को लेकर नवीन कलेक्ट्रेट भवन, जामो रोड गौरीगंज में विशाल प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जिला संयोजक विवेक शुक्ला ने किया।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनपद के विभिन्न विकास खंडों से बड़ी संख्या में शिक्षक नवीन कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। शिक्षकों ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए तथा जुलूस की शक्ल में प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि उत्तर प्रदेश में टीईटी व्यवस्था लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों ने वर्षों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसे शिक्षकों पर बाद में बनाए गए नियमों को पूर्व प्रभाव से लागू करना न्यायसंगत नहीं है। महासंघ ने मांग की कि टीईटी लागू होने से पहले नियुक्त सभी शिक्षकों के सेवा अधिकारों एवं भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा इस संबंध में उत्पन्न विधिक विसंगतियों को दूर करने के लिए केंद्र सरकार आवश्यक कदम उठाए। जिला अध्यक्ष विवेक शुक्ला ने कहा कि यह आंदोलन केवल कुछ शिक्षकों का नहीं, बल्कि पूरे शिक्षक समाज के सम्मान, अधिकार और सेवा सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इस विषय पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो देशभर के शिक्षक व्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।इस अवसर पर महासंघ के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। शिक्षकों ने एक स्वर में अपनी मांगों को दोहराते हुए सरकार से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा व्यक्त की।कार्यक्रम के अंत में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से केंद्र सरकार को अवगत कराने का अनुरोध किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से आलोक तिवारी, पंकज शुक्ला, अमित पांडे, सुरेश कनौजिया, अनुराग यादव, अभिषेक तिवारी, दल बहादुर सिंह, सत्येंद्र तिवारी, अजय सिंह, विमलेंद्र पांडे, अतुल शर्मा, अजेंद्र सिंह, राघवेंद्र त्रिपाठी, संतोष कुमार, संजीव , शैलेन्द्र सिंह, वीरेंद्र, पवन, तिवारी बब्बन यादव ,दिलीप शुक्ला सचिन श्रीवास्तव ,विजय वर्मा, कमलेश यादव,पंकज पांडे, योगेंद्र सिंह,सहित भारी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

आईजीआरएस शिकायतों की समीक्षा में जिलाधिकारी सख्त,सुबह 10 से 12 बजे तक तहसीलों में बैठकर जनसुनवाई करें अधिकारी-जिलाधिकारी

प्रत्येक शिकायत आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराने के निर्देश- जिलाधिकारी,तहसील की समस्या तहसील पर एवं ब्लॉक की समस्या ब्लॉक स्तर पर ही हो निस्तारित- जिलाधिकारी,फरियादियों को शिकायतों के निस्तारण के लिए न भटकना पड़े, अधिकारी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ करें कार्य-जिलाधिकारा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कलेक्ट्रेट स्थित

जनसुनवाई कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा करते हुए समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक तहसील मुख्यालय पर बैठकर जनसुनवाई करें तथा प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली शिकायतों को आईजीआरएस पोर्टल पर भी दर्ज कराया जाए, जिससे उनकी नियमित निगरानी एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि तहसील स्तर की समस्याओं का निस्तारण तहसील स्तर पर तथा ब्लॉक स्तर की समस्याओं का निस्तारण ब्लॉक स्तर पर ही प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इससे शिकायतकर्ताओं को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु उच्च स्तर के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वे ब्लॉक मुख्यालय पर आने वाले फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनें तथा उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का समाधान अधिकतम स्थानीय स्तर पर सुनिश्चित किया जाए, जिससे लोगों को अनावश्यक रूप से अन्यत्र भटकना न पड़े। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में पूर्ण संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए तथा कहा कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने 17 जून से 23 जून 2026 तक एक सप्ताह का विशेष राजस्व निस्तारण अभियान जिसमें कुर्रा बंटवारा (धारा-116), नामांतरण (धारा-34), पैमाइश (धारा-24), मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना तथा स्वामित्व/घरौनी योजना से संबंधित प्रकरण की समीक्षा किये, कुल 1076 लंबित राजस्व वादों के सापेक्ष आज 170 वादों का निस्तारण हुआ है जिसपर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्ति किये, जिलाधिकारी ने कहा कि इस अभियान से सम्बन्धित राजस्व वादों का ससमय निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

शहडोल संभाग के अनुपपुर में आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी जीतेन्द्र सिंह के नेतृत्व में निकला पैदल मार्च

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। संभाग के अनुपपुर में

मध्यप्रदेश के प्रभारी जीतेन्द्र सिंह तोमर के नेतृत्व विशाल आम सभा एवं कार्यकर्ताओं के साथ निकला पैदल मार्च जिसमें नगर वासियों को लगातार बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी, स्वास्थ्य, किसानों एवं आदिवासियो के ऊपर हो रहे अत्याचार शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करया जाकर महंगाई कम करने की केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार से अपील की आम आदमी का भी जीवन यापन हो सके इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए शहडोल जिले के ब्योहारी से जिला उपाध्यक्ष मृगेंद्र सिंह गुड्डू के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए इस कार्यक्रम में जीतेन्द्र सिंह तोमर ने जिला उपाध्यक्ष का नियुक्ति पत्र सौंपा गया इस कार्यक्रम से शहडोल संभाग के कार्यकर्ताओं में जोश उत्साह के साथ नयी उर्जा का संचार हुआ जिसका आगामी नगरीय चुनाव में आम आदमी पार्टी लाभ मिल सकता है।

योग और वैदिक ज्ञान से ही विश्वगुरु बनेगा भारत- स्वामी महेश योगी

संस्कृति और परंपराओं को संजोकर आगे बढ़ रहा देश- प्रोफेसर सत्यकाम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज, 18 जून। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित व्याख्यानमाला श्रृंखला के

अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आयोजित सात दिवसीय व्याख्यानमाला के क्रम में बृहस्पतिवार को एक प्रेरणादायी व्याख्यान का ऑनलाइन आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री श्री 1008 महंत महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी महेश योगी जी महाराज, हनुमानगढ़ी, अयोध्या ने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि संतों, ऋषियों, मुनियों और तपस्वियों की पुण्यभूमि है। योग, वैदिक ज्ञान और सनातन संस्कृति की शक्ति के आधार पर ही भारत पुनः विश्वगुरु का स्थान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत खोज और शोध दोनों की भूमि है, जहाँ ज्ञान और अध्यात्म का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। उन्होंने भगवान श्रीराम के आदर्शों, श्रीकृष्ण के योग, हनुमान जी के ज्ञान, पराक्रम और गुरु-भक्ति का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से उनके जीवन-मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि माता-पिता और गुरु का सम्मान, संस्कारयुक्त शिक्षा, ज्ञान, भक्ति और कर्म का समन्वय ही व्यक्ति को श्रेष्ठ नागरिक बनाता है।स्वामी जी ने युवाओं में ऊर्जा, पुरुषार्थ, अनुशासन एवं चरित्र निर्माण की आवश्यकता पर बल देते हुए धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष रूपी चार पुरुषार्थों तथा भारतीय संस्कृति के षोडश संस्कारों का महत्व बताया। उन्होंने चेतना शक्ति, तपोवन की वैज्ञानिक परंपरा, टेलीपैथी, अष्टांग योग, सप्त चक्रों की साधना तथा मानव चेतना के विकास जैसे विषयों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मचेतना को परमचेतना से जोड़ने का माध्यम है, जिससे परम ज्ञान की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि विनम्रता, आध्यात्मिक चेतना और सतत प्रयास से ही व्यक्ति जीवन के चारों पुरुषार्थों को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद और महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों से प्रेरणा लेकर भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने में योगदान दें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि यह व्याख्यानमाला भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बौद्धिक पहल है। उन्होंने कहा कि भारत प्रगति के पथ पर अपनी संस्कृति और परंपराओं को संजोकर आगे बढ़ रहा है।पिछले 12 वर्षों में देश की सांस्कृतिक गरिमा, विरासत और राष्ट्रीय चेतना के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य किया गया है।

निवेश, नवाचार और हरित ऊर्जा आधारित उद्योगों को बढ़ावा दे रही सरकार- केशव प्रसाद मौर्य

निवेश से विकास की नई राह पर उत्तर प्रदेशः खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मिली नई ऊर्जा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था को

सशक्त बनाने वाला महत्वपूर्ण आधार है। यह क्षेत्र किसानों की आय में वृद्धि, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन तथा युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग प्रभावी माध्यम सिद्ध होगा। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार औद्योगिक विकास के साथ-साथ हरित ऊर्जा को भी प्राथमिकता दे रही है। सौर ऊर्जा आधारित औद्योगिक मॉडल भविष्य की आवश्यकता है, जो उद्योगों की लागत कम करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक होगा। उन्होंने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत उपलब्ध प्रोत्साहनों, अनुदानों और निवेश सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे अधिक से अधिक उद्यमी प्रदेश में निवेश के लिए आगे आएं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिले। इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में गठित एप्रेजल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त 12 नए निवेश प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा एवं परीक्षण किया गया तथा निर्धारित शर्तों के साथ इन्हें स्वीकृति हेतु राज्य स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की संस्तुति की गई। बैठक में बताया गया कि 15 जून, 2026 तक प्राप्त इन निवेश प्रस्तावों में सरसों तेल मिल विस्तार, कैटल फीड निर्माण, मूंगफली प्रसंस्करण, नमकीन एवं कन्फेक्शनरी इकाई, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों में सोलर पावर प्लांट स्थापना, बेकरी उत्पाद विस्तार, कोल्ड स्टोरेज एवं फ्रोजन फूड विस्तार, नमकीन एवं मिठाई उत्पादन इकाई, मल्टीग्रेन फ्लोर निर्माण तथा नवीकरणीय ऊर्जा आधारित परियोजनाएं शामिल हैं।

इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन से प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को नई गति मिलेगी, किसानों को अपने उत्पादों के बेहतर मूल्य प्राप्त होंगे, बाजार के नए अवसर विकसित होंगे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को मिल रहा आधार- अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी.एल. मीणा ने बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में निर्धारित 31,335 लाभार्थियों के लक्ष्य के सापेक्ष 26,156 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत किया जा चुका है, जो कुल लक्ष्य का 83.47 प्रतिशत है। जनपदवार प्रगति में प्रयागराज ने 68.12 प्रतिशत लक्ष्य उपलब्धि के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा कौशाम्बी (58.56 प्रतिशत), कानपुर देहात (55.92 प्रतिशत), ललितपुर (55.42 प्रतिशत) एवं फतेहपुर (55.17 प्रतिशत) उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपदों में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बैंक योजना के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बैंकिंग संस्थानों के सहयोग से सूक्ष्म उद्यमियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन, मूल्य संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के माध्यम से 'एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी)' सहित स्थानीय खाद्य उत्पादों के प्रसंस्करण, विपणन और ब्रांडिंग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे सूक्ष्म उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ रही है। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, लखनऊ के मुख्य महाप्रबंधक श्री दीपेश राज को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत इच्छुक उद्यमियों को ऋण स्वीकृति एवं अनुदान उपलब्ध कराने में उत्कृष्ट योगदान के लिए अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी.एल. मीणा द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैठक में विशेष सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री राज कमल यादव, संयुक्त निदेशक श्री एम.पी. सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

बेटियां बन रही हैं भविष्य की वैज्ञानिक और नवप्रवर्तकः-बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, प्रयागराज और गाजियाबाद के कस्तूरबा विद्यालयों का हुआ चयन

जिज्ञासा से नवाचार तक बेटियों को नई उड़ान, आईआईटी गांधीनगर पहुंचेंगी उत्तर प्रदेश की बालिकाएं,क्यूरियोसिटी प्रोग्राम 2026-27 के ओरिएंटेशन सेशन में शामिल होंगी केजीबीवी की छात्राएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बालिकाओं को केवल विद्यालयी शिक्षा तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि उन्हें देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों, वैज्ञानिक नवाचारों और आधुनिक अधिगम के अवसरों से भी जोड़ रही है। इसी क्रम में आईआईटी गांधीनगर, गुजरात द्वारा संचालित क्यूरियोसिटी प्रोग्राम 2026-27 के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन सेशन में उत्तर प्रदेश के दो कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का चयन किया गया है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 13 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले इस विशेष ओरिएंटेशन कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कौड़िहार-1, प्रयागराज तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय लोनी (नगर पालिका), गाजियाबाद की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में चयनित प्रत्येक विद्यालय से दो छात्राएं और एक शिक्षिका भाग लेंगी। छात्राओं को देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में सीखने और समझने का अवसर प्राप्त होगा। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को बालिका सशक्तिकरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रभावी केंद्रों के रूप में विकसित कर रही है। डिजिटल शिक्षण, नवाचार आधारित गतिविधियों, विज्ञान एवं गणित कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय संस्थानों से जुड़ाव जैसी पहलों का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश की बेटियां देश के प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रयागराज और गाजियाबाद की छात्राओं का आईआईटी गांधीनगर में चयन इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश की बालिकाएं अब अवसरों की मुख्यधारा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं। ये बेटियां भविष्य की वैज्ञानिक, शोधकर्ता तथा नवप्रवर्तक बनने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। सरकार का लक्ष्य है कि ग्रामीण एवं वंचित पृष्ठभूमि की प्रत्येक छात्रा को राष्ट्रीय मंचों से जोड़कर उनके सपनों को नई उड़ान दी जाए। आईआईटी गांधीनगर के सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (सीसीएल) द्वारा भेजे गए पत्र के अनुसार चयन उन विद्यालयों का किया गया है जिन्होंने पूरे वर्ष क्यूरियोसिटी कार्यक्रम में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कौड़िहार-1, प्रयागराज ने कार्यक्रम के 50 में से 46 सत्रों में भागीदारी करते हुए 92 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की तथा 48 में से 39 वर्कशीट जमा कराईं। वहीं केजीबीवी लोनी (नगर पालिका), गाजियाबाद ने 50 में से 49 सत्रों में भाग लेकर 98 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की तथा 48 में से 42 वर्कशीट जमा कराईं। उत्कृष्ट सहभागिता और बेहतर प्रदर्शन के आधार पर दोनों विद्यालयों को राष्ट्रीय स्तर के इस विशेष कार्यक्रम के लिए चुना गया है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को विज्ञान, गणित, नवाचार, रचनात्मक अधिगम और समस्या समाधान आधारित गतिविधियों से परिचित कराया जाएगा। वे आईआईटी गांधीनगर के शैक्षणिक वातावरण, शोध संस्कृति और नवाचार आधारित शिक्षण मॉडल को निकट से समझ सकेंगी। इससे उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होगा, जिज्ञासा को नई दिशा मिलेगी और उच्च शिक्षा के प्रति आत्मविश्वास बढ़ेगा। विशेष रूप से ग्रामीण एवं वंचित पृष्ठभूमि से आने वाली छात्राओं के लिए यह अनुभव नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाला साबित होगा।

मोहर्रम पर्व को लेकर प्रशासन अलर्ट, जिलाधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक ने की पीस कमेटी की बैठक,ताजिया की ऊँचाई 10 फीट से अधिक नहीं होगी, नई परंपरा की अनुमति नहीं-जिलाधिकारी

निर्धारित मानक से अधिक ध्वनि, अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन एवं अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था रहेगी चाक-चौबंद,

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को आगामी मोहर्रम पर्व दिनांक 26 जून 2026 भी जुलूस में अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन अथवा प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। जिलाधिकारी कि जुलूस मार्गों पर लटक रहे अथवा ढीले विद्युत तारों को तत्काल दुरुस्त कराया जाए। साथ ही

को जनपद में सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने वेऽ उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ एवं अपर पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पीस कमेटी (धर्मगुरुओं एवं गणमान्य नागरिकों) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न धर्मगुरुओं, ताजियादारों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर आपसी भाईचारे एवं सामाजिक समरसता के साथ पर्व मनाने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मोहर्रम पर्व पूरी श्रद्धा, अनुशासन एवं कानून व्यवस्था के दायरे में मनाया जाए। उन्होंने कहा कि ताजिया की ऊँचाई 10 फीट से अधिक नहीं होगी तथा किसी भी स्थिति में पेड़ों की डालियों की छंटाई नहीं की जाएगी। नई परंपरा की शुरुआत नहीं की जाएगी तथा पूर्व से चिन्हित कर्बला स्थलों पर ही ताजिया दफन किए जाएंगे। किसी ने कहा कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा भ्रामक सूचना, अफवाह अथवा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली सामग्री प्रसारित की जाती है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल जानकारी प्रशासन एवं पुलिस को दें। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मोहर्रम के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देशित किया कि डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही संचालित किए जाएं। निर्धारित सीमा से अधिक ध्वनि में डीजे बजता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी से यातायात व्यवस्था में सहयोग करने तथा प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने की अपील की। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया सभी उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी संयुक्त रूप से अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर जुलूस मार्गों, कर्बला स्थलों एवं संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण करें तथा आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करें। थाना प्रभारियों को भी अपने क्षेत्रों में पूर्व से पीस कमेटी की बैठकें आयोजित कर स्थानीय स्तर पर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि मोहर्रम पर्व के दौरान सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) श्री बागीश कुमार शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, संबंधित विभागों के अधिकारी, धर्मगुरु, ताजियादार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सफैशी अधिनियम के तहत बैंक ऑफ इंडिया शाखा राबर्ट्सगंज को दिलाया गया कब्जा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) राबर्ट्सगंज/सोनभद्र। बैंक ऑफ अधिकारियों ने बताया कि ऋण खाते में लगातार चूक होने के

इंडिया शाखा राबर्ट्सगंज द्वारा ऋण वसूली की कार्यवाही के अंतर्गत सफैशी अधिनियम, 2002 (SARFAESI Act) वेऽ तहत मजिस्ट्रेट के आदेश पर संबंधित संपत्ति का कब्जा प्राप्त किया गया। इस दौरान बैंक अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस बल की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से कब्जा दिलाने की कार्यवाही संपन्न हुई। बैंक कारण नियमानुसार सफैशी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई। कब्जा प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया प्रशासन एवं पुलिस की मौजूदगी में संपन्न कराई गई। सूरज वर्मा एडवोकेट-जनपद एवं सत्र न्यायालय, सोनभद्र 'सफैशी अधिनियम के तहत बैंक ऑफ इंडिया शाखा राबर्ट्सगंज को मजिस्ट्रेट के आदेश पर संपत्ति का विधिक कब्जा दिलाया गया।'

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा 19 जून को सोनभद्र दौरे पर,मंगुराही, मधुपुर में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं जनपद स्तरीय कार्यक्रम में होंगे मुख्य अतिथि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग

के मा0 राज्य मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा दिनांक 19 जून, 2026 को जनपद सोनभद्र के भ्रमण पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मा0 मंत्री जी प्रातः 11:30 बजे वाराणसी स्थित सर्किट हाउस से प्रस्थान कर अपरान्ह 01:00 बजे कृषि भवन परिसर, मंगुराही, तेन्दू, सोनभद्र पहुंचेंगे। मा0 मंत्री जी अपरान्ह 01:00 बजे से 02:20 बजे तक आयोजित जनपद स्तरीय कार्यक्रम "12 साल विश्वास के, विकास के एवं जन कल्याण के" के अंतर्गत प्राकृतिक खेती कार्यशाला में मुख्य अतिथि वेऽ रूप में प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जाएगा तथा किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम उपरांत मा0 मंत्री जी अपरान्ह 02:20 बजे मंगुराही, मधुपुर से प्रस्थान कर 3:20 बजे अहरौरा, मिर्जापुर पहुंचेंगे, जहां अल्प विश्राम एवं भोजन के उपरांत 03:45 बजे पुनः प्रस्थान करेंगे।

राष्ट्रीय लोक दल युवा विवेक चतुर्वेदी को प्रदेश महासचिव की मिली जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय लोक दल युवा कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह राष्ट्रीय

के प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र सिंह पटेल ने रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी के निर्देश पर संगठन को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से सोनभद्र निवासी विवेक चतुर्वेदी को युवा प्रदेश राष्ट्रीय लोक दल का महासचिव मनोनीत किया हैं। उनवेऽ मनोनयन पर कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल हैं।अपने नियुक्ति पत्र को प्राप्त करने हेतु लखनऊ प्रदेश दुबे की गरिमामयी उपस्थिति में युवा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह पटेल के द्वारा विवेक चतुर्वेदी को नियुक्ति पत्र सौंप कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व और संगठनात्मक क्षमता से युवा रालोद को नई ऊर्जा मिलेगी तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा को युवाओं तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। विवेक चतुर्वेदी लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के नेतृत्व में पार्टी को मजबूत बनाने, युवाओं को जोड़ने तथा संगठन के विस्तार के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उनके मनोनयन पर बधाई देते जिलाध्यक्ष रालोद श्रीकांत त्रिपाठी ने उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। समस्त जानकारी जिला मिडिया प्रभारी विकास पाण्डेय ने दिया।

महंगाई-वेतन विसंगति से त्रस्त श्रमिकों को तत्काल राहत दे सरकार, आशा-आंगनबाड़ी का मानदेय बढ़े

भारतीय मजदूर संघ ने मुख्यमंत्री को भेजा 22 सूत्रीय मांगपत्र, संविदा कर्मियों के शोषण व पुरानी पेंशन बहाली प्रमुख मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कर्मचारियों व श्रमिकों की ज्वलंत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर भारतीय मजदूर संघ, जिला सोनभद्र ने गुरुवार को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को संबोधित 22 सूत्रीय मांगपत्र जिलाधिकारी को देखकर बुलंद की आवाज किया विरोध प्रदर्शन। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दशा राम यादव ने की और मंच संचालन जिला मंत्री एल. पी. शुक्ल ने किया। प्रदेश मंत्री अरुण कुमार दुबे, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बी. डी. विश्वकर्मा व विभाग प्रमुख अश्विनी कुमार शुक्ल, पुष्पेंद्र शुक्ला मुख्य रूप से मौजूद रहे। आशा, आंगनबाड़ी, एनएचएम, सफाई कर्मचारी, बैंक कर्मचारी, ऊर्जा क्षेत्र, असंगठित श्रमिक सहित विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रदेश मंत्री अरुण कुमार दुबे ने कहा कि श्रमिक, कर्मचारी व संविदा कर्मी महंगाई, वेतन विसंगति, सामाजिक सुरक्षा के अभाव

और रिक्त पदों पर भर्ती न होने से परेशान हैं। संविदा कर्मियों का शोषण गंभीर मुद्दा है, सरकार को तुरंत कदम उठाने चाहिए। विभाग प्रमुख अश्विनी कुमार शुक्ल ने आशा, आंगनबाड़ी व एनएचएम कर्मियों को सम्मानजनक मानदेय व सामाजिक सुरक्षा देने, संविदा-आउटसोर्सिंग कर्मियों के लिए स्पष्ट सेवा नियमावली बनाने की मांग की। बी. डी. विश्वकर्मा ने 2023 की हड़ताल में शामिल ऊर्जा कर्मियों पर उत्पीड़न रोकने, 108-102 एंबुलेंस के बर्खास्त कर्मियों की बहाली और चीनी मिल-डिस्टिलरी कर्मियों के लंबित वेतन पुनरीक्षण की मांग उठाई। ज्ञापन में आठवें वेतन आयोग लागू करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, आशा-आंगनबाड़ी मानदेय बढ़ाने, बैंकों में पांच दिवसीय बैंकिंग, नगर निकायों में स्थायी सफाई कर्मियों की भर्ती, पत्रकारों व असंगठित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने सहित 22 मांगें शामिल हैं। जिलाध्यक्ष दशा राम यादव ने कहा कि मजदूर संघ श्रमिक हितों के लिए सदैव संघर्षरत रहेगा।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

मिलावटी हल्दी से दुल्हन की मौत, घर में छाया मातम, बाजार में धड़ल्ले से बिक रही, खरीदते हुए 9 सावधानी बरतें, घर पर ऐसे करें पहचान

नयी दिल्ली। कुछ दिनों पहले मध्य प्रदेश के खरगोन जिले से मिलावटी हल्दी का एक खतरनाक मामला सामने आया। यहां शादी से पहले हल्दी रस्म के दौरान दूल्हा-दुल्हन समेत कई लोगों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हल्दी लगाने के कुछ देर बाद लोगों के शरीर पर लाल चकत्ते पड़ने लगे। सूजन आ गई और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। आनन-फानन में दूल्हा-दुल्हन को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान दुल्हन की मौत हो गई। प्राथमिक जांच में एलर्जी की वजह मिलावटी हल्दी बताई गई। इस घटना ने सभी को हैरान कर दिया। इसके बाद मिलावटी हल्दी को लेकर देशभर में ताबड़तोड एक्शन लिए गए। अहमदाबाद नगर निगम के खाद्य विभाग ने माधुपुरा मार्केट से 2,500 किलोग्राम मिलावटी हल्दी जब्त की। वहीं कानपुर फूड डिपार्टमेंट ने चकेरी इंडस्ट्रियल एरिया से 398 किलो मिलावटी हल्दी पाउडर सीज किया। ऐसे में सवाल है कि कहीं हम भी मिलावटी हल्दी तो नहीं खा रहे हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज मिलावटी हल्दी की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- मिलावटखोर हल्दी में कौन-सी चीजें मिलाते हैं? मिलावटी हल्दी खाने के क्या हेल्थ रिस्क होते हैं? घर पर असली और मिलावटी हल्दी कैसे पहचानें? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः- देवेन्द्र कुमार दुबे, फूड सेफ्टी ऑफिसर, फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, दमोह और डॉ. अरविंद अग्रवाल, डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मिलावटखोर हल्दी में किन चीजों की मिलावट करते हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- इन चीजों की मिलावट-लेड

क्रोमेट, मेटानिल येलो, चौक पाउडर, स्टार्च, गेहूं का आटा, बेसन, येलो डाई, सिथेटिक कलर, लकड़ी का बुरादा, लेड क्रोमेट एक पीले रंग का इंडस्ट्रियल केमिकल है। इसका इस्तेमाल पेन्ट, प्लास्टिक और कई नॉन-फूड प्रोडक्ट्स में किया जाता है। इसमें लेड और क्रोमियम जैसे टॉक्सिक तत्व होते हैं। कुछ मिलावटखोर हल्दी का रंग अधिक चमकीला पीला दिखाने के लिए इसे मिलाते हैं। मेटानिल येलो एक सिंथेटिक डाई है, जिसका यूज कपड़ा, कागज और अन्य इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स में किया जाता है। इसे फूड में मिलाने की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद कुछ लोग हल्दी का रंग गहरा और आकर्षक बनाने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। ये दोनों केमिकल्स खाने के लिए सुरक्षित नहीं हैं। लंबे समय तक इनके कंजम्पशन से शरीर में टॉक्सिन्स बढ़ सकते हैं। इससे लिवर, किडनी और नर्वस सिस्टम डैमेज हो सकता है। सवाल- मिलावटी हल्दी खाने से सेहत को क्या नुकसान हो सकते हैं? जवाब- इससे कई हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क हो सकता है। मिलावटी हल्दी खाने से शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म में सेहत पर खतरनाक नतीजे दिख सकते हैं। सवाल- मिलावटी हल्दी का रिस्क किन लोगों को ज्यादा है? जवाब- मिलावटी हल्दी हर किसी के लिए नुकसानदायक है, लेकिन कुछ लोगों पर इसका असर ज्यादा गंभीर हो सकता है, जैसेकि- जिन्हें लिवर डिजीज है। जिन्हें किडनी डिजीज है। जिन्हें क्रॉनिक डिजीज है। जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है। बच्चे और बुजुर्ग। प्रेग्नेंट और ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाएं। सवाल- घर पर असली और मिलावटी हल्दी कैसे पहचानें? जवाब- घर पर कुछ आसान तरीकों से हल्दी की शुद्धता जांची जा सकती है। इसके लिए घर पर करें हल्दी की पहचान- 1. वाटर टेस्टः- पानी में 1 चम्मच हल्दी डालें। 15-20 मिनट बिना हिलाए छोड़ दें। असली हल्दी नीचे बैठ जाएगी पानी साफ रहेगा। मिलावटी हल्दी पानी में घुल जाएगी। पानी का रंग पीला हो जाएगा। 2. फिंगर टेस्ट- हल्दी को हथेली पर रगड़ें। असली हल्दी हल्का पीला दाग छोड़ती है। मिलावटी हल्दी चमकीला, गहरा रंग छोड़ती है। 3. कपड़े पर टेस्ट- सफेद कपड़े पर हल्दी पाउडर लगाएं। कुछ बूंद पानी डालकर रगड़ें। रंग आसानी से फैल जाए तो मिलावट है। रंग बहुत शाइन करे तो मिलावट है। 4. आयोडीन टेस्ट-हल्दी में कुछ बूंद आयोडीन डालें। नीला या बैंगनी रंग दिखे तो स्टार्च/ मैदा की मिलावट है।

हल्दी का रंग गहरा पीला दिखाने, मात्रा बढ़ाने और कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए इसमें कई तरह की मिलावट हो सकती है। इनमें सबसे खतरनाक लेड क्रोमेट (लेड-बेस्ड येलो पेन्ट) और मेटानिल येलो (सिंथेटिक डाई) है। इन्हें खाने में इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा और भी कई चीजों की मिलावट हो सकती है। सवाल- हल्दी में मिलावट क्यों की जाती है? जवाब- इसका मुख्य उद्देश्य कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमाना है। वे इसके लिए कई बार ऐसी मिलावट करते हैं, जो सेहत के लिए बेहद खतरनाक हो सकती हैं। मिलावटखोर अक्सर हल्दी की मात्रा बढ़ाने और उसे ज्यादा चमकदार दिखाने के लिए ऐसा करते हैं। सवाल- लेड क्रोमेट और मेटानिल येलो क्या हैं? इन्हें हल्दी में मिलाना क्यों रिस्की है?

सवाल- क्या पकाने या उबालने से हल्दी में मौजूद हानिकारक तत्व खत्म हो जाते हैं? जवाब- नहीं, लेड क्रोमेट और मेटानिल येलो जैसे केमिकल्स पकाने, उबालने या भूनने से खत्म नहीं होते हैं। ये केमिकल्स हाई टेम्परेचर सहन कर सकते हैं और खाने के जरिए शरीर में पहुंच सकते हैं।हालांकि, उबालने से बैक्टीरिया या कुछ सूक्ष्मजीव नष्ट हो सकते हैं। सवाल- हल्दी खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- इस दौरान क्वालिटी और पैकेजिंग पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें- हल्दी खरीदते हुए ध्यान रखें ये बातें- खुली हल्दी न ले सीलबंद पैकेट भरोसेमंद ब्रांड खरीदें। पैकिंग और सील, एक्सपायरी डेट, बहुत शाइन हो तो न खरीदें।बहुत सस्ती हो सके तो हल्दी न खरीदें। साबुत हल्दी लें।

मंधाना टी-20 में 600 चौके लगाने वाली पहली प्लेयर बनीं, वर्ल्डकप में छठी फिफ्टी लगाई

मिताली-हरमनप्रीत को पीछे छोड़ा; दीप्ति ने झूलन की बराबरी की

स्पोर्टडेस्क। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड को 95 रन से हरा दिया। लीड्स में

स्मृति मंधाना ने 74 रन की पारी में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। वे मेंस और विमेंस टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 600 चौके पूरे करने वाली पहली बल्लेबाज बनीं। बुधवार को मंधाना ने मिताली राज और हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। दूसरी ओर दीप्ति शर्मा ने

इंटरनेशनल क्रिकेट में झूलन गोस्वामी के सबसे ज्यादा विकेट के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। भारत-नीदरलैंड मैच के रिकॉर्ड्स-1. मंधाना टी-20 में 600 चौके पूरे करने वाली पहली बैटर-मंधाना ने नीदरलैंड के खिलाफ 11 चौके लगाए। उनके नाम टी-20 इंटरनेशनल में 603 चौके हो गए हैं। वे पुरुष या महिला टी-20 इंटरनेशनल में 600 चौके पूरे करने वाली दुनिया की पहली प्लेयर बन गई हैं। न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स 521 चौकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। 2. स्मृति की विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में छठी फिफ्टी-स्मृति ने टी-20 वर्ल्ड कप में छठवां 50प्लस स्कोर बनाया। वे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा बार 50प्लस स्कोर बनाने वाली भारतीय बन गई हैं।

उन्होंने हरमनप्रीत कौर और मिताली राज के 5 फिफ्टी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। 3. दीप्ति के 355 विकेट पूरे, गोस्वामी की बराबरी की-विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के 355 विकेट हो गए हैं।

उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की लिस्ट में पूर्व भारतीय गेंदबाज झूलन गोस्वामी की बराबरी कर ली है। झूलन के नाम भी 355 इंटरनेशनल क्रिकेट विकेट हैं। 4. भारत का टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ा स्कोर-भारतीय विमेंस टीम ने नीदरलैंड के खिलाफ 20 ओवर में 5 विकेट पर 209 रन बनाए। यह टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का सबसे बड़ा स्कोर है। यह इस टूर्नामेंट में भारत का पहला 200प्लस स्कोर भी है। इससे पहले भारत ने 2018 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 194/5 का स्कोर बनाया था। 5. शेफाली-स्मृति में 5वीं बार शतकीय साझेदारी-शेफाली और स्मृति ने पहले विकेट के लिए 115 रन जोड़े। यह टी-20 इंटरनेशनल में दोनों की 5वीं शतकीय साझेदारी थी। सबसे ज्यादा सेंचुरी पार्टनरशिप के मामले में अब वे दुनिया की संयुक्त रुप से दूसरी जोड़ी है। पहले नंबर पर यूएई की ईशा ओझा और थीर्था सतीश हैं। दोनों ने 6 बार यह कारनामा किया है। 5. भारत का टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर-भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में अपना सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर बनाया। टीम ने शुरुआती 6 ओवर में बिना विकेट खोए 59 रन बनाए। इससे पहले टीम ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 विकेट खोकर 59 रन बनाए थे। 6. महिला टी-20 वर्ल्डकप भारत की तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी-स्मृति-शेफाली की 115 रन की पार्टनरशिप टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। भारत के लिए सबसे बड़ी पार्टरनशिप का रिकॉर्ड हरमनप्रीत और जेमिमा के नाम है। दोनों ने 2018 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 134 रन की साझेदारी की थी। मैच के टॉप-2 मोमेंट्सः-1. श्रेयंका चोट के बाद स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर गईं-भारतीय स्पिनर श्रेयंका पाटिल फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गईं। नीदरलैंड की पारी के छठे ओवर में फेबे मोल्केनबोएर ने ऑन साइड में शॉट खेला।

गेंद को रोकने के लिए दौड़ते समय श्रेयंका का पैर मुड़ गया और वह मैदान पर गिर पड़ीं। वह काफी दर्द में नजर आईं। फिजियो ने आकर जांच की। वे अपने दाएं पैर पर खड़ी भी नहीं हो पा रहीं थीं। उन्हें स्ट्रेचर की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया।

2. ऋचा ने डी लीडे को स्टंपिंग किया- 14वें ओवर में नंदिनी शर्मा ने नीदरलैंड की कप्तान बैबेट डी लीडे को 28 रन पर आउट कर टीम को चौथा विकेट दिलाया। विकेटकीपर ऋचा घोष ने स्टंपिंग पूरी की। डी लीडे ने 27 गेंदों में 28 रन बनाए, जिसमें 3 चौके शामिल रहे।

पहली बार कोई टीम 400 रन बनाकर ऑलआउट, श्रेयस ने कोहली को पीछे किआ, ईशान-गिल ने एक ही ओवर में शतक उड़ाया

लखनऊ। भारत ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 170 रन से हरा दिया। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। इस लिस्ट में ईशान (71 गेंद) उन्होंने सिर्फ 54 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। रहमत शाह 57 पारी के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

402 रन पर ऑलआउट हो गई। वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार 400 रन बनाने वाली टीम ऑल आउट भी हुई है। बुधवार को शुभमन गिल (154 रन) और ईशान किशन (125 रन) ने एक ही ओवर अपने-अपने शतक पूरे किए। श्रेयस अय्यर ने विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। वे सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बने। मैच के दौरान दरविश रसूली को चोटिल होने पर स्ट्रेचर से मैदान से बाहर ले जाया गया।

भारत-अफगानिस्तान मैच के रिकॉर्ड्स-

1. पहली बार 2 भारतीयों ने 80 से कम गेंद में शतक लगाया- गिल ने 77 और किशन ने 71 गेंद में शतक पूरा किया। इसके साथ ही दोनों ने भारतीय क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड बनाया। वनडे क्रिकेट में पहली बार दो भारतीय बल्लेबाजों ने एक ही पारी में 80 या उससे कम गेंद में शतक लगाया। 2. भारत ने साउथ अफ्रीका की बराबरी की- भारत ने 8वीं बार वनडे में 400 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया। टीम ने इस मामले में साउथ अफ्रीका की बराबरी कर ली। साउथ अफ्रीका भी वनडे में 8 बार यह कारनामा कर चुका है। 4. श्रेयस अय्यर के 3 हजार वनडे रन- श्रेयस अय्यर ने 11वां रन बनाते ही वनडे में 3 हजार रन पूरे किए। उन्होंने 72 पारी और 3049 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने सबस कम पारी में 3 हजार रन बनाने वाले विराट कोहली (75 पारी) को पीछे छोड़ दिया है। अब वे शिखर धवन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में शुभमन गिल 62 पारी के साथ पहले स्थान पर हैं। अय्यर सबसे कम गेंद में यह आंकड़ा छूने वाले में तीसरे नंबर पर पहुंच गए। पूर्व वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव 2995 गेंद के साथ पहले नंबर पर हैं। 5. गिल का भारत के लिए तीसरा फास्टेस्ट 150 रन- गिल ने 108 गेंद में 150 रन पूरे किए। यह वनडे में किसी भारतीय का तीसरा सबसे तेज 150 प्लस का स्कोर है। पहले स्थान पर ईशान किशन हैं। उन्होंने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 103 गेंद पर 150 रन बनाए थे। 6. अफगानिस्तान के खिलाफ फास्टेस्ट सेंचुरी में ईशान और गिल शामिल-ईशान और गिल तीसरे और गिल (77 गेंद) 5वें नंबर पर आ गए हैं। पहले स्थान पर इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी इयोन मॉर्गन हैं। उन्होंने 2019 में मैनचेस्टर के मैदान पर अफगान टीम के खिलाफ 57 गेंद पर शतक लगाया था। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी 63 गेंद पर शतक लगा चुके हैं। 7. वनडे में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी-गिल-ईशान ने तीसरे विकेट के लिए 224 रन की साझेदारी की। यह वनडे में अफगानिस्तान के खिलाफ संयुक्त रुप से दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस लिस्ट में डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ की जोड़ी पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 2015 में अफगान टीम के खिलाफ 260 रन की साझेदारी की थी। 8. ईशान-गिल ने दूसरी सबसे तेज 200प्लस की साझेदारी की-ईशान-गिल ने

9.60 के रनरेट से 224 रन जोड़े। यह भारत के लिए वनडे में दूसरी सबसे तेज 200 प्लस रन की साझेदारी की है। इस मामले में केएल राहुल और श्रेयस अय्यर की जोड़ी पहले स्थान पर हैं। दोनों ने 2023 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के खिलाफ 9.82 के रनरेट से 208 रन की साझेदारी की थी। 9. अफगानिस्तान की वनडे में दूसरी सबसे बड़ी हार-अफगानिस्तान को 170 रन की हार का सामना करना पड़ा। यह अफगानिस्तान की वनडे में दूसरी सबसे बड़ी हार है। टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2015 में सबसे बड़ी हार मिली थी। तब पर्थ के मैदान पर उसे 275 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। 10. गुरबाज सबसे तेज 2 हजार वनडे रन बनाने वाले अफगानी बल्लेबाज-रहमानुल्लाह गुरबाज ने 33 गेंद पर 41 रन बनाए। इस पारी के दौरान उन्होंने वनडे में 2 हजार रन भी पूरे किए। वे वनडे में सबसे तेज 2,000 रन बनाने वाले अफगानी बन गए हैं।

मैच के टॉप-4 मोमेंट्स- 1. गिल ने गले में आइस पैक पहनकर बैटिंग की-लखनऊ में मैच के दौरान काफी ज्यादा उमस थी। इसकी वजह से एक पारी में 3 ड्रिंक्स ब्रेक रखे गए थे। ब्रेक में खिलाड़ी तौलिए से पसीना पोछते नजर आए। 14वें ओवर में ड्रिंक्स ब्रेक के बाद कप्तान गिल ने गले में आइस पैक पहनकर बैटिंग की। 2. गिल-ईशान ने एक ही ओवर में शतक पूरे किए- भारतीय पारी के 33वें ओवर में गिल और ईशान ने अपने शतक पूरे किए। बिलाल सामी के ओवर की पहली गेंद पर चौका जड़कर गिल ने 9वां वनडे शतक लगाया। आखिरी गेंद पर किशन ने भी चौका मारकर अपना दूसरा वनडे शतक पूरा किया। 3. नो-बॉल से टला प्रिंस यादव का पहला वनडे विकेट-दूसरी पारी के 7वें ओवर में प्रिंस

यादव को विकेट मिलते-मिलते रह गया। डेब्यू कर रहे प्रिंस ने ओवर की 5वी गेंद शॉर्ट डाली। गेंद रहमनुल्लाह गुरबाज के बल्ले का किनारा लेकर मिड-ऑन की ओर गई, जहां ने कैच पकड़ लिया। प्रिंस अपना पहला वनडे विकेट मिलने का जश्न मना ही रहे थे। इसी दौरान नो-बॉल का हूटर बज गया। हालांकि, बाद में प्रिंस ने दो विकेट निकाले। 4. दरविश रसूली स्ट्रेचर के जरिए मैदान से बाहर गए-25वें ओवर में अफगानी बैटर दरविश रसूली चोट के बाद रिटायर्ड हर्ट हुए। ओवर की तीसरी गेंद पर शॉट खेलने के बाद रसूली दाईं हैमस्ट्रिंग खिंचने की वजह से मैदान पर गिर पड़े। भारतीय खिलाड़ी वाशिंगटन सुंदर तुरंत उनकी मदद के लिए पहुंचे। इसके बाद फिजियो ने उनके पैर पर पट्टी बांधी, लेकिन दर्द कम नहीं हुआ। इसके बाद अफगानिस्तान के कोच रिचर्ड पायबस ने उन्हें मैदान से बाहर आने का इशारा किया। अपना डेब्यू मैच खेल रहे रसूली को स्ट्रेचर पर लादकर मैदान से बाहर ले जाया गया।

डेमोग्राफी की अच्छी समझ के बिना हम समस्याएं नहीं सुलझा सकते

भारत जनसंख्या वृद्धि की चुनौती का ही सामना नहीं कर रहा, तेजी से बदलते जनसांख्यिकीय संतुलन की जटिल परिस्थितियों से भी गुजर रहा है। देश के सामने केवल यह प्रश्न नहीं है कि आबादी कितनी बढ़ रही है, बल्कि यह भी है कि आबादी की संरचना, वितरण, आयु-प्रोफाइल, प्रवासन-प्रवृत्तियां और संसाधनों पर उसका प्रभाव किस दिशा में जा रहा है। यही कारण है कि जस्टिस नावलेकर की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति को दूरदर्शी व समयानुकूल पहल माना जा रहा है। निःसंदेह समिति में प्रशासन, न्याय और नीति-निर्माण के क्षेत्र से जुड़े अनुभवी एवं विद्वान सदस्य सम्मिलित हैं। किंतु यदि इसमें प्रत्यक्ष रूप से डेमोग्राफी (जनसांख्यिकी) के विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाता, तो यह पहल और व्यापक तथा अकादमिक रूप से समृद्ध बन सकती है। जनसंख्या संतुलन जैसे विषय केवल प्रशासनिक या राजनीतिक विमर्श तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे प्रजनन-संक्रमण, जनसंख्या-परिवर्तन, आयु-संरचना, प्रवासन-पैटर्न, निर्भरता-अनुपात, शहरीकरण प्रवृत्तियों तथा जनसंख्या-पूर्वानुमान जैसे जटिल जनसांख्यिकीय आयामों से जुड़े होते हैं। इन परिवर्तनों को समझने के लिए गणितीय-मॉडलिंग, दीर्घकालिक डेटा-विश्लेषण और सांख्यिकीय प्रक्षेपण की विशेषज्ञता आवश्यक होती है। यदि रोजगार-सृजन, शहरी-नियोजन और संसाधनों के प्रबंधन में संतुलन नहीं बना, तो हमारा डेमोग्राफिक डिविडेंड बोझ में भी परिवर्तित हो सकता है। इसी संदर्भ में अवैध प्रवासन का प्रश्न महत्वपूर्ण है। यह केवल आंतरिक या सीमा सुरक्षा का विषय नहीं है, बल्कि विकास, प्रशासन और संसाधन-प्रबंधन से भी सीधे जुड़ा हुआ मुद्दा है। सरकारें अपनी योजनाएं जनगणना, सर्वेक्षणों और पंजीकृत आबादी के आधार पर बनाती हैं।शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, खाद्य-सुरक्षा, पेयजल, रोजगार और सामाजिक-कल्याण से जुड़ी योजनाओं का पूरा ढांचा इसी अनुमानित जनसंख्या पर आधारित होता है। किंतु जब किसी क्षेत्र में बड़ी संख्या में अवैध आबादी जुड़ जाती है, तो वास्तविक मांग और सरकारी योजना में अंतर पैदा हो जाता है। संसाधनों का अनियोजित बंटवारा होने से अनेक योजनाएं अपने मूल उद्देश्यों को पूरी तरह प्राप्त नहीं कर पातीं। जब समिति का मूल विषय ही देश में जनसंख्या बदलाव से जुड़ी चुनौतियों का अध्ययन करके स्थायी समाधान और नीतिगत उपायों का सुझाव देना है तो उसमें जनसांख्यिकी विशेषज्ञों की प्रत्यक्ष भागीदारी क्यों नहीं है? भारत में इस क्षेत्र की विशेषज्ञता का अभाव नहीं है। कोलकाता स्थित भारतीय सांख्यिकी संस्थान विश्वस्तरीय रिसर्च और जनसंख्या विश्लेषण के लिए जाना जाता है। इसी प्रकार मुंबई के देवनार स्थित अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान जनसंख्या-अध्ययन, प्रजनन-स्वास्थ्य, प्रवासन, जनसांख्यिकीय-अनुसंधान और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण जैसे महत्वपूर्ण अध्ययनों का प्रमुख संस्थान है। इन संस्थानों में ऐसे अनेक विशेषज्ञ मौजूद हैं, जो जनसंख्या-परिवर्तन के दीर्घकालिक प्रभावों के वैज्ञानिक आकलन में सक्षम हैं। वे यह समझने में भी सहायता करते हैं कि प्रवासन की वर्तमान प्रवृत्तियां भविष्य में किन सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों को जन्म दे सकती हैं। यही कारण है कि अनेक देशों में जनसंख्या संबंधी आयोगों और नीति समितियों में सांख्यिकीविदों, जनसांख्यिकी विशेषज्ञों, महामारी वैज्ञानिकों और प्रवासन विशेषज्ञों को शामिल किया जाता है। क्योंकि वे भी वैध-अवैध माइग्रेशन से जुड़ी हुई समस्याओं से जूझ रहे हैं। भारत की जनसांख्यिकीय विविधता भी व्यापक है। विभिन्न राज्यों में प्रजनन-दर, जनसंख्या-घनत्व, आयु-वितरण और प्रवासन-पैटर्न में अंतर दिखता है। ऐसे में एक समान दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं हो सकता। क्षेत्रीय वास्तविकताओं को समझने के लिए डेटा-आधारित और वैज्ञानिक विश्लेषण की आवश्यकता होती है। समिति का गठन करना गृह मंत्रालय की महत्वपूर्ण पहल है, किंतु जनसंख्या का प्रश्न केवल वर्तमान का नहीं, भविष्य का भी है और भविष्य की योजना तथ्यों, विज्ञान और दूरदृष्टि के आधार पर ही बनाई जा सकती है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,डॉ. अर्चना मुठ्ये)

सार्वजनिक सड़कों पर निजी गाड़ियों का डेरा डालना कितना सही?

चूंकि घर और दफ्तर के बीच की दूरी कम है, इसलिए मैं साइकिल से ही काम पर जाती हूं। लेकिन दक्षिणी दिल्ली के अरबिंदो मार्ग और हौज खास मार्केट- जहां हम मान सकते हैं कि नियम-कानून का पालन अन्य शहरों की तुलना में ठीक ही होगा- वहां भी पढ़े-लिखे अमीर गाड़ीवालों का व्यवहार अचंभित करता है। हमारे तमाम शहरों में पार्किंग की सख्त कमी है। उदाहरण के लिए, सरकारी आंकड़ों के अनुसार अहमदाबाद में 7 लाख फोर-व्हीलर हैं, लेकिन ऑथराइज्ड पार्किंग 6000 से भी कम है! जहां पार्किंग की पर्याप्त सुविधा है भी (जैसे हौज खास मार्केट में सड़क पर और अंडरग्राउंड पार्किंग उपलब्ध है), वहां भी सड़क के बीचों-बीच लोगों की बड़ी गाड़ियां खड़ी होती हैं। कभी-कभी लोग गाड़ी में ही बैठे, फोन पर व्यस्त रहते हैं या कुछ खा-पी रहे होते हैं, जैसे कि अपने ड्रॉइंग रूम में बैठे हों। क्यों? सिर्फ इसलिए कि पार्किंग के 30 रुपए उन्हें खलते हैं। कुछ लोगों का मानना था कि सस्ती उबर-ओला टैक्सी से सुधार होगा। लोग टैक्सी लेंगे तो निजी गाड़ी सड़क पर नहीं खड़ी रहेगी। लेकिन बड़ी सड़कों के छायादार हिस्सों में भी- सवारी की राह में, खाना खाते हुए या आराम करते हुए टैक्सी की कतारें दिखती हैं। मार्केट में सड़क पर पार्किंग ज्यादातर पैरेलल नहीं है, तो सड़क का बड़ा हिस्सा गाड़ियां घेर लेती हैं। पूरा रास्ता जाम हो जाता है। साइकिल सवार इससे कम प्रभावित होते हैं। साइकिल जाम में भी निकल जाती है। आगे पहुंचने पर दिखता है कि जाम करने वाले गाड़ी मालिक/ड्राइवर पीछे परेशान लोगों से बेपरवाह आराम फरमा रहे हैं। एक की मनमर्जी कइयों का नुकसान करती हैं। सड़क पर पार्क करने वाली गाड़ियां यातायात को जाम कर देती हैं, वो एक पब्लिक न्यूसन्स हैं। जाम से समय की बर्बादी होती है, साथ ही पेट्रोल की खपत और प्रदूषण भी बढ़ते हैं। सड़क संकरी होने की वजह से मोटर/दोपहिया गाड़ी वालों को सड़क के बीच चलना पड़ता है, जिससे एक्सीडेंट का डर रहता है। देश के कई शहरों में लाखों गाड़ियों को सार्वजनिक मार्गों पर, के बाहर सड़क पर पार्क करते हैं, तो उन्हें 3, 6 या 12 महीनों का पार्किंग परमिट खरीदना पड़ता है। इसकी कीमत गाड़ी के प्रकार के अनुसार होती है। ज्यादा प्रदूषण वाले वाहनों का परमिट महंगा है। वहां पर एक गाड़ी का सालाना पार्किंग परमिट 90-300 पाउंड तक होता है। कहने को तो दिल्ली में भी इस तरह के परमिट हैं। लेकिन मोटरगाड़ी नहीं, सड़क पर रेहड़ीवालों के लिए। हौज खास में 4 बाई 6 फीट (छोटी गाड़ी भी अंदाजन इतनी ही जगह घेरती है) की रेहड़ी का सालाना परमिट 4254 रुपए है। यदि दिल्ली की 20 लाख गाड़ियों में से आधी सार्वजनिक सड़क पर हों और उन पर यही नियम-दर लागू हो, तो लगभग 400 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्त होगा। 2024-25 में दिल्ली में महिलाओं के लिए फ्री बस योजना के लिए 340 करोड़ का बजट था। उस पर साल भर मुफ्त में रखने की इजाजत है। यह भी एक गंभीर मुद्दा है। अन्य देशों में सड़क पर गाड़ी खड़ी रखने के सख्त नियम हैं। यूके में जब गाड़ी अपने घर देखकर कोई सोच सकता है कि पार्किंग नीति में सड़क पर 11 कैटेगरी में से पहला अधिकार पैदल, साइकल और दिव्यांगजन का है, फिर रेहड़ी वालों का और उसके बाद में निजी गाड़ियों के लिए पिकअप/ड्रॉप, ईवी और पेड पार्किंग है। लेकिन असल में इसका उलटा हो रहा होता है और यह बात दूसरे शहरों के लिए भी इतनी ही सही है। कॉर्पोरेशन अतिक्रमण के खिलाफ नियमित रूप से एक्शन लेती रहती है, लेकिन सार्वजनिक मार्ग पर निजी गाड़ियों की बात कोई नहीं करता। इसे हम अतिक्रमण के रूप में क्यों नहीं पहचानते? हम यह भूल जाते हैं कि सड़कें आखिरकार सार्वजनिक संपत्ति हैं। जो लाखों की गाड़ी खरीद सकते हैं, हजारों का पेट्रोल जला सकते हैं, उनसे सार्वजनिक मार्ग पर गाड़ी खड़ी करने की कुछ कीमत क्यों न वसूली जाए? (ये लेखिका के अपने विचार हैं, रीतिका खेरा)

मेडिकल इमरजेंसी का अंदाजा लगाना मुश्किल, लेकिन तैयार रहना आसान

इस सोमवार रात करीब 9 बजे जालंधर के उद्योगपति दीपक पूजारा अपने बैडमिंटन खेल के बीच में थे। बीते पांच वर्षों से वे उस शहर के कई लोगों की तरह फिट रहने के लिए रायजादा हंसराज बैडमिंटन स्टेडियम में कुछ घंटे खेल और मनोरंजन में बिताते थे। एक शॉट खेलते समय उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया और वे गिर पड़े। दूसरे कोर्ट पर खेल रहे उसी शहर के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नीतीश गर्ग उन्हें गिरता देखकर मदद के लिए दौड़े। उन्होंने कार्डियक मसाज दी, लेकिन दीपक ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि अस्पताल स्टेडियम से सिर्फ दो मिनट के ड्राइविंग डिस्टेंस पर था, लेकिन डॉ. गर्ग को लगा कि दीपक इतनी-सी दूरी तक भी नहीं जा सकेंगे। उन्होंने स्टेडियम की फर्स्ट-एड किट से एक इमरजेंसी गोली देने के बाद सीपीआर जारी रखा। साथ ही वे स्टाफ की मदद से मेडिकल उपकरण और एम्बुलेंस की व्यवस्था में भी लगे रहे, ताकि जल्द अस्पताल पहुंचा जा सके। जब स्टाफ दिल को बिजली का झटका देने वाला जीवनरक्षक उपकरण 'डिफिब्रिलेटर' लाया तो उन्होंने झटका दिया और दिल धड़कने लगा। फिर दीपक को अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच में 90% और 99% के दो बड़े ब्लॉकेज मिले, जिनमें स्टेंट डाले गए। सुना है कि कि दीपक अब ट्रीटमेंट के प्रति रेस्पॉन्ड कर रहे हैं और स्वस्थ हो रहे हैं। इससे मुझे 2018 में दीपावली के ठीक दूसरे दिन की एक घटना याद आ गई। उज्जैन के नानाखेड़ा स्थित महानंदानगर स्पोर्ट्स एरिना में कुछ डॉक्टर रिलैक्स होने के लिए बैडमिंटन खेल रहे थे। खेल के बाद फोटोशूट के दौरान उनमें से एक डॉक्टर कुछ ही सेकंड में गिर पड़े। फोटो लेने वाले ने देखा कि पहली फोटो में डॉक्टर मुस्करा रहे थे, दूसरी में उनके मुंह की स्थिति बदल गई, तीसरी में वे आगे झुक गए और चौथी फोटो में जमीन पर गिर गए। वहां मौजूद ऑस्ट्रेलिया के जाने-माने कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. निलेश मेहता ने स्थिति संभाली और उज्जैन के सीएचएल अस्पताल था और उनसे आग्रह किया जा रहा था कि वे जहां भी जाएं, इसे साथ रखें। अपने एक सीनियर अधिकारी की नियमित ब्रिस्क वॉक के दौरान हार्ट अटैक से मृत्यु के बाद उन्होंने यह निर्णय किया। कार्डियक अरेस्ट में हर सेकंड मायने रखता है। कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) देने की प्रक्रिया जानने पर आप मदद पहुंचने तक पीड़ित के महत्वपूर्ण अंगों तक रक्त प्रवाह बनाए रख सकते हैं। यह जांच लेना भी बेहतर है कि क्या आपके स्पोर्ट्स क्लब, जिम या वर्कप्लेस पर ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (एईडी) है या नहीं।

उसकी जगह पहले से पता हो तो कई कीमती मिनट बच सकते हैं। यदि आपको दिल की कोई बीमारी नहीं भी है, तब भी हर समय अपने साथ इमरजेंसी दवाएं रखने के बारे में डॉक्टर से सलाह लें। जाहिर है कि आप मौके पर किसी डॉक्टर को वो दवाएं देकर उनकी अतिरिक्त मदद कर सकते हैं। इन सभी घटनाओं से बड़ा सबक यह मिलता है कि अचानक होने वाली कार्डियक समस्या किसी के साथ, कहीं भी हो सकती है।ऐसे में जीवन का बचना पूरी तरह तत्काल कार्रवाई पर निर्भर करता है। आप मेडिकल इमरजेंसी का अंदाजा तो नहीं लगा सकते, लेकिन उसके लिए तैयार रह सकते हैं।फंडा यह है कि एक अच्छा डॉक्टर दोस्त हमेशा बेहतर होता है, क्योंकि वह किसी भी स्वास्थ्य समस्या पर निष्पक्ष राय देता है। लेकिन वही डॉक्टर आपका स्पोर्ट्स पार्टनर भी हो तो यह दोनों हाथों में लड्डू होने जैसा है। एन. रघुरामन

सोशल मीडिया को लेकर दुनिया बंटी हुई है, आप किस ओर हैं?

अपने चारों ओर देखिए। आपको कई परिवार दिखेंगे, जो अपने 16 साल से कम उम्र के बच्चों को ऑनलाइन जगत और उसके संभावित नुकसान से बचाने में जुटे हैं। उन्हें यह भी सिखा रहे हैं कि सही इस्तेमाल किया जाए तो यह उपयोगी टूल है। इस काम में उन्हें कई घंटे या कई दिन लगे होंगे, ताकि बच्चों के इस्तेमाल वाले हर डिवाइस को यथासंभव सुरक्षित बना सकें। फिर भी उन पैरेंट्स को लगता है कि बच्चों और उन सेटिंग्स पर नियमित निगरानी जरूरी है।आस-पास देखिए कि सैकड़ों पैरेंट्स ऐसे भी हैं, जो छोटे बच्चों को मोबाइल थमा देते हैं, ताकि वे रोजमर्रा के काम करते समय या खाना खिलाते वक्त उनको तंग न करें। यह हम जैसे पैरेंट्स को साहसी महसूस कराता है कि मानो बच्चों को 'नहीं' कहने की हिम्मत सिर्फ हममें ही हो। नजरें घुमाइए। कुछ देश 16 से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं। 2026 तक ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और मलेशिया ने 16 से कम उम्र के बच्चों के लिए आधिकारिक देशव्यापी सोशल मीडिया प्रतिबंध लगा दिए हैं। कई अन्य देश भी ऐसे प्रतिबंध लगाने या ऐसे कानून बनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं। इसी सप्ताह यूके ने भी 16 से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध की योजना को अंतिम रूप दिया है। यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि 'सोशल मीडिया बच्चों को दुखी कर रहा है। यह बदमाशों के लिए बच्चों को परेशान और अब्यूज करना आसान बना रहा है। यह उनके मानसिक स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचा सकता है।' फिर चारों तरफ नजरें डालिए। मेटा, यूट्यूब और स्नैपचैट ने इस प्रतिबंध की आलोचना की है। उनका दावा है कि इससे टीनेजर्स ज्यादा हानिकारक प्लेटफॉर्म्स की ओर जाएंगे। यूट्यूब ने एक बयान में कहा कि 'सभी पर एक जैसे प्रतिबंध बच्चों को ऐसे क्यूरेटेड, निगरानी वाले और लाभकारी अनुभवों से वंचित कर गुमनाम और कम सुरक्षित सर्च में धकेल देंगे' स्नैपचैट का कहना है, 'टीनेजर्स को परिवार और दोस्तों के साथ प्रइवेट मैसेजिंग से दूर करना उन्हें कम सुरक्षित प्लेटफॉर्म्स की ओर धकेलेगा।' आखिरी बार चारों तरफ देखिए। 8 से 11 साल के बच्चों के पैरेंट्स को उम्मीद है कि भारत भी इन डिजिटल प्रोडक्ट्स से बच्चों को हो रहे नुकसानों को गंभीरता से लेना शुरू कर देगा। वे खुश हैं कि कुछ देश साहस दिखा कर इन उत्पादों को खुली चर्चा में ला रहे हैं और इनके निर्माताओं को दिखा रहे हैं कि बहुत-से पैरेंट्स इसे और बर्दाश्त नहीं करेंगे। वहीं, 14 साल या उससे अधिक उम्र के बच्चों के वो पैरेंट्स तो उम्मीद छोड़ चुके हैं, जो देख रहे हैं कि उनके बच्चों की जिंदगी मीम्स के इर्द-गिर्द घूम रही है। उन्हें लगता है कि सबसे पहले प्रतिबंध लगाने वाले ऑस्ट्रेलिया के बच्चों की तरह उनके बच्चे भी कोई वीपीएन ढूंढ लेंगे और मनमानी करेंगे। अब कृपया चारों ओर देखना बंद कीजिए। अपने भीतर झांकिए। क्या कुछ पैरेंट्स की तरह आपको भी लगता है कि सोशल मीडिया प्रतिबंध केवल समय की बर्बादी है और वास्तविकता में यह बच्चों की सुरक्षा के लिए कुछ नहीं करता। क्या आपको लगता है कि यह सोशल मीडिया कंपनियों को हर जिम्मेदारी से मुक्त कर देता है? क्या आप सोचते हैं कि बच्चे प्रतिबंध को बायपास करने के तरीके ढूंढ लेंगे और उन्हें परेशान करने वाली कोई चीज दिखे तो भी प्रतिबंध के कारण वे पैरेंट्स या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करने में असहज महसूस करेंगे? या फिर आप मजबूती से सोचते हैं कि ये प्रतिबंध आया तो सही और भविष्य में बच्चे इन दुष्प्रभावों से बचे रहेंगे। मुझे लगता है कि हम सभी सोशल मीडिया के बिना बड़े हुए हैं और हमें तो कुछ नहीं हुआ। अगर बच्चे सावधानी से सोशल मीडिया का इस्तेमाल करें तो यह उन्हें प्रतिस्पर्धी दुनिया में आगे रखने का एक बेहतरीन साधन है। मैं बस यह सोच रहा हूं कि क्या इस प्रतिबंध से पैरेंटिंग को राहत मिल पाएगी? फंडा यह है कि क्या सोशल मीडिया प्रतिबंध कोई रामबाण इलाज है या महज एक काल्पनिक समाधान, या फिर एक ऐसी 'कैच-22' स्थिति, जहां विरोधाभासी परिस्थितियों के कारण निकलने का कोई रास्ता नहीं दिखता? आप इस प्रतिबंध के समर्थन में हैं या विरोध में? मुझे जरूर लिखिएगा। एन. रघुरामन

डिग्री से नहीं, दक्षता से बनेगा भविष्यः जेन ज़ी पीढ़ी और रोजगार की नई चुनौतियाँ

व्यक्तित्व विकास विशेषज्ञ एवं कॉर्पोरेट ट्रेनर

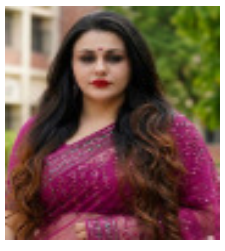

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लेखिका: कौशाकी सोंधी आज का दौर तेजी से बदलती तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर है। ऐसे समय में केवल डिग्री हासिल कर लेना नौकरी पाने की गारंटी नहीं रह गया है। उद्योग जगत की अपेक्षाएँ बदल चुकी हैं और जेन ज़ी पीढ़ी को इस बदलाव को समझने की आवश्यकता है। आज कंपनियाँ ऐसे युवाओं की तलाश में हैं जो सिर्फ शैक्षणिक रूप से योग्य न हों, बल्कि व्यावहारिक कौशल और पेशेवर दृष्टिकोण से भी मजबूत हों। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी अच्छे अंकों के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन उनमें से कई रोजगार पाने में कठिनाई महसूस करते हैं। इसका मुख्य कारण 'एम्प्लॉयबिलिटी गैप' यानी शिक्षा और उद्योग की जरूरतों के बीच बढ़ता अंतर है। कंपनियों का मानना है कि तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, समय प्रबंधन, समस्या समाधान और सकारात्मक कार्य व्यवहार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। जेन ज़ी पीढ़ी तकनीक के उपयोग में निपुण है। यह पीढ़ी डिजिटल दुनिया को अच्छी तरह समझती है और नए अवसरों को तेजी से अपनाती है। लेकिन कार्यस्थल पर सफलता के लिए केवल तकनीकी दक्षता पर्याप्त नहीं है। आज कंपनियाँ ऐसे युवाओं को प्राथमिकता देती हैं जो आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख सकें, टीम में प्रभावी ढंग से काम कर सकें और बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल सकें। यही कारण है कि सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। व्यक्तित्व विकास, प्रभावी संवाद, इंटरव्यू कौशल, प्रस्तुतीकरण कला और भावनात्मक बुद्धिमत्ता जैसे विषय आज करियर निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। शिक्षा संस्थानों को अपने पाठ्यक्रम के साथ इन विषयों को भी जोड़ना चाहिए ताकि विद्यार्थी नौकरी के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें। इस दिशा में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यदि उद्योग और शैक्षणिक संस्थान मिलकर कौशल विकास कार्यक्रम चलाएँ, तो लाखों विद्यार्थियों को रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण दिया जा सकता है। इससे विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा जो आर्थिक कारणों से अतिरिक्त प्रशिक्षण प्राप्त नहीं कर पाते। साथ ही, कई कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को उद्योग की जरूरतों के अनुसार विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने पर भी विचार करना चाहिए। यदि गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, मेंटरशिप और करियर मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए, तो विद्यार्थी रोजगार बाजार की चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना कर सकेंगे। भारत के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें सही दिशा, उचित प्रशिक्षण और उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप कौशल प्रदान करने की है। आने वाला समय उन्हीं युवाओं का होगा जो डिग्री के साथ-साथ निरंतर सीखने, स्वयं को विकसित करने और बदलती दुनिया के अनुरूप अपने कौशल को निखारने के लिए तैयार रहेंगे। यही सफलता का नया मंत्र है और यही भारत के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव भी। कौशाकी सोंधी

प्रियंका का आरोप- नीट स्टूडेंट्स से रु1.32 लाख करोड़ वसूले जो कि शिक्षा बजट के लगभग बराबर

पसंदीदा कारोबारियों का 16 लाख करोड़ लोन माफ

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने दावा किया कि हर साल नीट परीक्षा देने वाले 22 लाख छात्रों और उनके परिवारों से व्यवस्था के जरिए रु1.32 लाख करोड़ खर्च कराए जाते हैं। यह राशि देश के पूरे शिक्षा बजट रु1.40 लाख करोड़ के लगभग बराबर है। प्रियंका गांधी ने बुधवार रात एक्स पोस्ट में ये भी लिखा- मैं एक बात और जोड़ना चाहती हूं कि भारत सरकार ने अपने पसंदीदा कारोबारियों के जो लोन माफ किए, वे 16 लाख करोड़ रुपए हैं। प्रियंका की यह टिप्पणी राहुल गांधी के कोटा दौरे के बाद आई। राहुल ने बुधवार को 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के तहत छात्रों से बातचीत में शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते दबावों पर चर्चा की थी। इधर, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट री-एग्जाम वेb एडमिट कार्ड डाउनलोड करने की प्रक्रिया में बदलाव किया है। अब उम्मीदवार बैंक खाते का वेरिफिकेशन पूरा किए बिना भी अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। एनटीए ने नीट री-एग्जाम एडमिट कार्ड डाउनलोड की प्रक्रिया बदली- राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने नीट (यूजी) 2026 री-एग्जाम के एडमिट कार्ड डाउनलोड करने की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब उम्मीदवार बैंक खाते का वेरिफिकेशन पूरा किए बिना भी अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। पहले इस शर्त के कारण कई छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।एनटीए ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट में बताया- छात्र पहले अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं और बाद में परीक्षा शुल्क रिफंड प्रक्रिया वेb लिए जरूरी बैंक खाता वेरिफिकेशन पूरा कर सकते हैं। बैंक वेरिफिकेशन बाद में करने पर भी उम्मीदवार फीस रिफंड के लिए पूरी तरह पात्र रहेंगे।

एनटीए ने कहा कि अगर बैंक डिटेल्स पेंडिंग होने की वजह से स्टूडेंट्स पहले एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं कर पा रहे थे, तो अब तुरंत एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। बैंक खाता वेरिफिकेशन बाद में पूरा कर सकते हैं और फिर भी फीस रिफंड प्रक्रिया के लिए पात्र रहेंगे। 21 जून को होगा री-एग्जाम-नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा 21 जून को आयोजित की जाएगी।

री-एग्जाम एक ही शिफ्ट में दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित होगा। प्रशासनिक प्रक्रियाओं के लिए छात्रों को अतिरिक्त 15 मिनट का समय भी दिया जाएगा। एनटीए के मुताबिक, दोबारा होने वाली इस परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के शामिल होने की उम्मीद है।

12 जूनः रीएग?जाम 3:15 घंटे का होगा, 4 रफ वर्क शीट मिलेंगी-एनटीए ने नीट-यूजी रीएग?जाम में कुछ बदलाव किए हैं। 12 जून को जारी नई गाइडलाइंस के मुताबिक, परीक्षा का समय अब 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट कर दिया गया है। इसके अलावा आंसर शीट में रफ वर्क के लिए भी जगह बढ़ाई गई है।

2 दिन में 4 नीट स्टूडेंट ने सुसाइड किया, छात्र छठी मंजिल से कूदा- तमिलनाडु की छात्रा ने लिखा- दोबारा एग्जाम से डर

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर में नीट की तैयारी कर रही 19 साल की छात्रा अनुकीर्तना ने बुधवार सुबह जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले छात्रा ने अपने चाचा और करीबी रिश्तेदारों को वॉट्सएप मैसेज भेजे थे। मैसेज में उसने लिखा- 'मैंने नीट परीक्षा दी थी और मेडिकल कॉलेज में एडमिशन का इंतजार कर रही थी, लेकिन परीक्षा कैंसिल हो गई। अब दोबारा परीक्षा देने से डर लग रहा है। मेरे पापा ने मुझ पर बहुत पैसा खर्च किया है, मैं अब उनका सामना कैसे करूंगी, नहीं जानती।' वहीं, अहमदाबाद के न्यू रानीप इलाके में बुधवार रात करीब 2:30 बजे 17 साल के छात्र ने आनंदम फ्लैट्स के ब्लॉक बी की छठी मंजिल से छलांग लगा दी। पुलिस जांच में पता चला कि छात्र नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। आत्महत्या का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पिछले दो दिनों में नीट स्टूडेंट की आत्महत्या का यह चौथा मामला है। इससे पहले 16 जून को देहरादून में 23 साल की रिया थापा और लखनऊ में 17 साल की एक छात्रा ने सुसाइड किया था। 12 मई को नीट परीक्षा रद्द होने के बाद देश भर में अब तक लगभग 12 स्टूडेंट्स जान दे चुके हैं। कोयंबटूर स्थित घर के कमरे में बेहोश मिली थी छात्रा-अनुकीर्तना कोयंबटूर वेb कोवईपुदुर स्थित पार्क टाउन की रहने वाली थी। उसके पिता सेंथिल प्रभु सीआईटीयू से संबद्ध तस्मक ट्रेड यूनियन के जिला सचिव हैं। दो बेटियों में अनुकीर्तना बड़ी थी। उसने एट्रिमडई के एक प्राइवेट स्कूल से 12वीं तक पढ़ाई की थी। डॉक्टर बनकर गरीबों की मदद करना उसका सपना था। हालांकि, पेपर लीक के कारण नीट परीत्रा रद्द होने और 21 जून को री-एग्जाम की घोषणा से वह गहरे सदमे में आ गई थी। बुधवार सुबह उसने रिश्तेदारों को एक लंबा वॉट्सएप मैसेज भेजा। छात्रा का मैसेज पढ़ने के बाद परिजन उसके घर पहुंचे। कमरे का दरवाजा तोड़ने पर वह बेहोश मिली। उसे तुरंत शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिवार ने केंद्रीय मंत्री का इस्तीफा मांगा-छात्रा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी ईएसआई मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन ने छात्रा का शव लेने से इनकार कर दिया। बाद में अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद बुधवार रात उन्होंने शव लिया। परिवार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। घटना के बाद सीपीएम के जिला समिति सदस्यों ने ईएसआई अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया और नीट पर बैन लगाने की मांग उठाई। इधर पुलिस ने छात्रा का मोबाइल फोन जब्त कर जांच शुरू कर दी है। पेपर लीक के कारण 3 मई को हुई परीक्षा रद्द हुई-नीट-यूजी परीक्षा 3 मई 2026 को देश भर में आयोजित की गई थी। करीब 23 लाख छात्र परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा के बाद कई राज्यों से प्रश्नपत्र लीक होने और कुछ अभ्यर्थियों को पहले से पेपर मिलने के आरोप सामने आए। जांच में गड़बड़ियों के संकेत मिलने पर एनटीए ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी। इसके बाद केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों की समीक्षा के आधार पर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया। नीट से 1 लाख से ज्यादा मेडिकल कॉलेज में एडमिशन-नीट यानी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में एडमिशन के लिए होने वाली राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा है। इसकी शुरुआत 2013 में हुई थी। इस परीक्षा के माध्यम से देश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष (बीएएमएस, बीएचएमएस) और नर्सिंग जैसे कोर्सेज में एडमिशन मिलता है, जिसमें एम्स और जिपमर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं।

ईरान को रु28 लाख करोड़ हर्जाना, कभी परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा, डील के 14-पॉइंट्स की पूरी डिटेल

आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

वॉशिंगटन डीसी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक 60 दिनों की साथ ही 60 दिनों की यह समयसीमा शुरू हो गई है। उसी अंतिम समझौते में यह तय किया जाएगा कि 300 अरब डॉलर का फंड कैसे बनाया जाएगा, पैसा कहां से आएगा और उसे किस तरह खर्च किया जाएगा। दस्तावेज अपने पास मौजूद लगभग 11 टन संवर्धित परमाणु सामग्री को कम घनत्व वाला बनाए। इसे डाउन-ब्लेंडिंग कहा जाता है। इसका मतलब है कि यूरेनियम को इतना ने वादा किया है कि वह ईरान के उन धन और संपत्तियों को इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराएगा, जो अभी तक विभिन्न प्रतिबंधों के कारण फ्रीज्ड हैं या जिन पर रोक लगी

यह समयसीमा काफी छोटी मानी जा रही है। अमेरिकी अधिकारी भी निजी तौर पर मानते हैं कि इतने कम समय में अंतिम समझौते तक पहुंचना आसान नहीं होगा, खासकर इसलिए क्योंकि ईरान के साथ पहले हुई परमाणु वार्ताओं में कई साल लग चुके हैं। हालांकि ट्रम्प प्रशासन ने जानबूझकर यह महत्वाकांक्षी समयसीमा तय की है। अगर 60 दिनों के भीतर कोई अंतिम समझौता हो जाता है, तो यह अमेरिका वेb मध्यावधि (मिडटर्म) चुनावों से पहले राष्ट्रपति ट्रम्प के लिए एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि साबित हो सकता है। ऐसे समय में जब उनकी घरेलू लोकप्रियता में गिरावट देखी जा रही है, यह समझौता उन्हें राजनीतिक फायदा भी पहुंचा सकता है। पॉइंट-4: अमेरिका समुद्री नाकेबंदी हटाएगा-अमेरिका दस्तखत के बाद ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई अपनी नौसैनिक नाकेबंदी और अन्य बाधाओं को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर देगा। यह नाकेबंदी 30 दिनों के भीतर पूरी तरह खत्म कर दी जाएगी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी हटने के बाद ईरान फिर से अपने बंदरगाहों से तेल और अन्य सामान निर्यात कर सकेगा। साथ ही दूसरे देशों से आने वाला माल भी बिना बड़ी रुकावट के ईरान पहुंच सकेगा। यह ईरान के लिए बहुत बड़ी और तत्काल राहत होगी, क्योंकि उसके ज्यादातर निर्यात चीन को जाते हैं। जैसे ही निर्यात दोबारा शुरू होगा, ईरान के पास विदेशी मुद्रा और राजस्व आना शुरू हो जाएगा, जिससे उसकी मौजूदा आर्थिक मुश्किलें काफी हद तक कम हो सकती हैं। लेकिन इस फैसले का एक दूसरा पहलू भी है। नाकेबंदी हटने से अमेरिका अपने सबसे प्रभावी दबाव के साधनों में से एक खो देगा। पॉइंट-5: होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोला जाएगा-समझौते पर दस्तखत होते ही ईरान ने वादा किया है कि वह अपनी पूरी कोशिश करके फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच आने-जाने वाले व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगा। यह व्यवस्था 60 दिनों तक लागू रहेगी और इस दौरान जहाजों से कोई एक्स्ट्रा टैक्स नहीं लिया जाएगा। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इस समझौते की सबसे अहम लाइन है- सिर्फ 60 दिनों तक बिना किसी फीस के। इसका मतलब है कि अगले 60 दिनों तक ईरान होर्मुज से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों से कोई पैसा नहीं लेगा। लेकिन 60 दिन पूरे होने के बाद ईरान जहाजों पर शुल्क या फीस लगा सकता है। युद्ध से पहले ईरान आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय जहाजों से इस तरह का पैसा नहीं लेता था। इसलिए अगर भविष्य में फीस लगाई जाती है, तो यह एक बड़ा बदलाव होगा और होर्मुज से गुजरने वाली वैश्विक समुद्री व्यापार लागत बढ़ सकती है। पॉइंट-6: ईरान को रु28 लाख करोड़ का हर्जाना-समझौते के तहत अमेरिका ने अपने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर ईरान के पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर (28 लाख करोड़ रुपए) की योजना तैयार करने का वादा किया है। हालांकि यह पैसा तुरंत नहीं दिया जाएगा। पहले अमेरिका और ईरान को 60 दिनों के भीतर एक अंतिम और व्यापक समझौते पर पहुंचना होगा। में यह भी कहा गया है कि इस योजना को लागू करने के लिए जरूरी सभी लाइसेंस, छूट और वित्तीय मंजूरियां अमेरिका देगा, ताकि निवेश और धन के लेनदेन में कानूनी बाधाएं न आएं। राष्ट्रपति ट्रम्प पहले ही कह चुके हैं कि इस फंड में अमेरिका सीधे पैसा नहीं लगाएगा। हालांकि, उन्होंने यह संभावना जरूर खुली छोड़ी कि खाड़ी देश, जैसे सऊदी अरब, कतर और यूएई इस फंड के लिए पैसा उपलब्ध करा सकते हैं। पॉइंट-7: ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंध हटेंगे-समझौते वेb मुताबिक, अमेरिका ने अंतिम समझौता होने पर ईरान पर लगे सभी तरह के प्रतिबंधों को एक-एक करके खत्म करने का वादा किया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ईरान पर लगे कड़े आर्थिक प्रतिबंधों में राहत देना शायद वह सबसे बड़ा कदम है, जिसके बदले अमेरिका ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम पर सख्त सीमाएं स्वीकार करने के लिए राजी कर सकता है। यही व्यवस्था 2015 के परमाणु समझौते में भी अपनाई गई थी। उस समझौते के तहत ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम पर कई प्रतिबंध स्वीकार किए थे और बदले में उसे आर्थिक प्रतिबंधों से राहत मिली थी। हालांकि उस समझौते में लगी पाबंदियों की अवधि अधिकतम 15 साल थी। लेकिन ट्रम्प का कहना है कि वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर हमेशा के लिए प्रतिबंध चाहते हैं। अब सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि दोनों देश इस बात पर सहमत कैसे होते हैं कि कौन-कौन से प्रतिबंध हटाए जाएंगे और उन्हें किस समय हटाया जाएगा। साथ ही यह भी तय करना होगा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के कौन-कौन से कदम कब उठाएगा। पॉइंट-8: ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा-समझौते में ईरान ने एक बार फिर भरोसा दिया है कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और न ही उन्हें हासिल करने की कोशिश करेगा। दस्तावेज में कहा गया है कि ईरान के पास पहले से मौजूद संवर्धित यूरेनियम (एनरिच्ड यूरेनियम) के भंडार का क्या किया जाएगा, इस पर दोनों देश मिलकर फैसला करेंगे। इसके लिए एक अलग व्यवस्था बनाई जाएगी, जिस पर आगे की बातचीत में सहमति बनेगी। फिलहाल न्यूनतम सहमति यह है कि इस संवर्धित सामग्री को ईरान के भीतर ही इस तरह बदला जाएगा कि उससे परमाणु हथियार बनाना संभव न रहे। यह पूरी प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की निगरानी में होगी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक यह समझौते का सबसे अहम हिस्सा माना जा रहा है, क्योंकि इसमें पहली बार सीधे ईरान के परमाणु कार्यक्रम की बात की गई है। यही मुद्दा अमेरिका और ईरान के बीच टकराव और युद्ध की सबसे बड़ी वजह रहा है। हालांकि इस पॉइंट में सबसे विवादित मुद्दों पर स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया है। दस्तावेज में ईरान ने फिर से कहा है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। लेकिन यह कोई नई बात नहीं है। ईरान 1970 में परमाणु अप्रसार संधि में शामिल होने के समय भी यही वादा कर चुका था। बाद में 2015 के परमाणु समझौते में भी उसने यही कहा था कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा।समझौते में ईरान से कहा गया है कि वह पतला कर दिया जाए कि उसका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में न हो सके। इन 11 टन सामग्री में करीब 970 पाउंड ऐसा यूरेनियम भी शामिल है, जिसे 60फीसदी तक एनरिच्ड किया जा चुका है। यह स्तर परमाणु बम बनाने के लिए जरूरी स्तर के काफी करीब माना जाता है। लेकिन समझौते में यह नहीं कहा गया है कि ईरान को यह सामग्री देश से बाहर भेजनी होगी। ईरान लंबे समय से अपने यूरेनियम भंडार को विदेश भेजने का विरोध करता रहा है। हालांकि 2015 के परमाणु समझौते में ईरान ने अपने उस समय के लगभग 97 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम भंडार को रूस भेज दिया था। यही कारण है कि अभी कई बड़े सवाल अनसुलझे हैं। जैसे कि क्या ईरान अपने पास संवर्धित यूरेनियम का भंडार रख पाएगा?

क्या उसे अपनी प्रमुख परमाणु सुविधाएं बंद करनी होंगी? क्या उसे नया यूरेनियम संवर्धित करने की अनुमति मिलेगी? या उसे 13 से 20 साल तक संवर्धन गतिविधियां रोकनी पड़ेंगी? पॉइंट-9: दोनों पक्ष मौजूदा स्थिति में बदलाव नहीं करेंगे समझौते में कहा गया है कि जब तक अमेरिका और ईरान वेb बीच अंतिम समझौता नहीं हो जाता, तब तक दोनों पक्ष मौजूदा स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेंगे। इसका मतलब है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को अभी जिस स्तर पर चला रहा है, उससे आगे नहीं बढ़ाएगा। वह नए बड़े कदम नहीं उठाएगा और न ही अपने परमाणु कार्यक्रम का विस्तार करेगा। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक यह प्रावधान इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इससे बातचीत के लिए एक स्पष्ट शुरुआती स्थिति तय हो जाती है। इसका मकसद यह है कि अंतिम समझौता होने तक अमेरिका और ईरान एक-दूसरे पर अतिरिक्त दबाव डालकर नई रियायतें हासिल करने की कोशिश न करें।यानी बातचीत के दौरान न तो ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाएगा और न ही अमेरिका नए प्रतिबंध लगाएगा या क्षेत्र में अतिरिक्त सैन्य ताकत भेजेगा। पॉइंट-10: ईरानी सामानों के निर्यात पर छूट-समझौते के मुताबिक,एमओयू पर दस्तखत होते ही अमेरिका ईरानी कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और उनसे जुड़े अन्य सामान के निर्यात पर राहत देना शुरू कर देगा। इसके लिए अमेरिकी वित्त मंत्रालय जरूरी छूट और मंजूरियां जारी करेगा, ताकि ईरान अपना तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेच सके। यह राहत सिर्फ तेल बेचने तक सीमित नहीं होगी। इसमें बैंकिंग लेन-देन, बीमा, जहाजरानी, माल ढुलाई और अन्य वित्तीय सेवाओं से जुड़ी बाधाओं को भी कम किया जाएगा, जो ईरान के तेल निर्यात में रुकावट बनती रही हैं। यह व्यवस्था तब तक जारी रहेगी, जब तक ईरान पर लगे सभी प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक समझौते का यह हिस्सा ईरान के खिलाफ सख्त रुख रखने वाले नेताओं और विशेषज्ञों के बीच सबसे ज्यादा चिंता का कारण बना हुआ है। उनका मानना है कि तेल निर्यात पर लगी रोक अमेरिका का सबसे प्रभावी दबाव का साधन थी। इसी के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बना हुआ था। पॉइंट-11: ईरान की फ्रीज्ड संपत्तियां जारी होंगी-समझौते के तहत अमेरिका ने वादा किया है कि वह ईरान के उन धन और संपत्तियों को इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराएगा, जो अभी तक विभिन्न प्रतिबंधों के कारण फ्रीज्ड हैं या जिन पर रोक लगी हुई है। हालांकि यह पैसा कब और किस प्रक्रिया के तहत जारी होगा, इसका तरीका अमेरिका और ईरान आपसी बातचीत के जरिए तय करेंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इसका मतलब यह हो सकता है कि अंतिम समझौता होने का इंतजार किए बिना ही ईरान के लिए अरबों डॉलर की रकम जारी होना शुरू हो जाए। अनुमान है कि यह राशि 24 अरब डॉलर या उससे भी अधिक हो सकती है। पॉइंट-12: दोनों देश मिलकर निगरानी व्यवस्था बनाएंगे-अमेरिका और ईरान मिलकर एक विशेष निगरानी व्यवस्था बनाएंगे, जो यह देखेगी कि एमओयू की सभी शर्तों का सही तरीके से पालन हो रहा है या नहीं।यह सिस्टम इस बात की जांच करेगा कि:-ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम से जुड़े वादों का पालन कर रहा है या नहीं। अमेरिका प्रतिबंधों में राहत और अन्य आर्थिक व राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को पूरा कर रहा है या नहीं। दोनों पक्ष समझौते की समयसीमा और शर्तों का पालन कर रहे हैं या नहीं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि अमेरिका यह तय करना चाहता है कि ईरान के हर वादे की स्वतंत्र रूप से जांच और पुष्टि की जा सके। यानी केवल ईरान के वादे करना पर्याप्त नहीं होगा। अमेरिका चाहता है कि यह साबित भी किया जा सके कि ईरान वास्तव में अपने परमाणु कार्यक्रम, संवर्धित यूरेनियम के भंडार और अन्य प्रतिबद्धताओं से जुड़े समझौते का पालन कर रहा है। पॉइंट 13: तुरंत सभी मुद्दों पर बातचीत शुरू नहीं होगी-सबसे पहले दोनों देशों को समझौते के कुछ अहम बिंदुओं को लागू करना होगा। इनमें युद्धविराम बनाए रखना, होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना, नौसैनिक नाकेबंदी हटाना, तेल निर्यात पर राहत देना और ईरान की जमी हुई संपत्तियों तक पहुंच बहाल करना जैसे कदम शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इससे पता चलता है कि आने वाले दौर की बातचीत का सबसे बड़ा और सबसे अहम विषय ईरान का परमाणु कार्यक्रम ही होगा। परमाणु गतिविधियों की सीमा क्या होगी, एनरिच्ड यूरेनियम का क्या होगा, निरीक्षण व्यवस्था कैसी होगी और प्रतिबंध किस तरह हटाए जाएंगे, जैसे सवाल अभी पूरी तरह तय नहीं हुए हैं। पॉइंट 14: अंतिम समझौते को यूएनएससी मंजूरी देगी-जब अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौता हो जाएगा, तो उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के एक प्रस्ताव के जरिए मंजूरी दी जाएगी। इसका मतलब है कि अंतिम समझौता केवल अमेरिका और ईरान के बीच का राजनीतिक समझौता नहीं रहेगा, बल्कि उसे अंतरराष्ट्रीय कानूनी मान्यता भी मिल जाएगी। यदि सुरक्षा परिषद इस समझौते को मंजूरी देती है, तो इसके प्रावधानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की ताकत मिल जाएगी और दुनिया के अन्य देशों को भी उसका सम्मान करना होगा। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इससे समझौते को मजबूती मिलेगी, जैसा कि पिछले वर्ष गाजा से जुड़े समझौते के मामले में हुआ था, जिसे भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का समर्थन मिला था। हालांकि कई एक्सपर्ट्स को शक है कि यह चरण वास्तव में आएगा भी या नहीं।

बेटे की हाइट कम है,उम्र के साथ उसमें बढ़ रही शर्मिंदगी, कमरे में बंद रहता है, सोशलाइज नहीं करता, क्या उपाए करें?

मुंबई। ऐसी परिस्थिति में अक्सर बच्चे परेशां हो जाते हैं पर अधिकांश मामलो में देर से हाइट बढ़ जाती हैं इन्ही विषयो पे बात काटेंगे एक्सपर्टः रिद्धि दोषी पटेल, चाइल्ड एंड पेरेंटिंग साइकोलॉजिस्ट, मुंबई जी के साथ समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरे बेटे की उम्र 17 साल है। उसकी हाइट अपनी उम्र के बाकी लड़कों की तुलना में कम है। हमने हर कोशिश की, डॉक्टरों को दिखाया, लेकिन उसकी हाइट नहीं बढ़ पाई। हमने अपनी तरफ से इसे नॉर्मलाइज करने की कोशिश की, उसे ऐसी एक्टिविटीज के लिए इनकरेज किया, जहां उसकी हाइट बाधा न बने। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ रही है, वो इस बात को लेकर कॉन्शस होता जा रहा है। दोस्तों के साथ बाहर नहीं जाता, सोशलाइज नहीं होता। हमेशा अपने कमरे में बंद रहता है। हम उसे कैसे समझाएं? जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। कई बच्चे ऐसी कॉम्प्लेक्सिटी से अकेले गुजरते हैं, क्योंकि घर में उनकी भावनाओं को नहीं समझा जाता है। लेकिन आपने उसकी परेशानी को महसूस किया, डॉक्टरों से सलाह ली, उसे अलग-अलग एक्टिविटीज में इनकरेज किया और चीजों को नॉर्मल बनाने की कोशिश की। यह बताता है कि आप सपोर्टिव और अवेयर हैं। कई बार बच्चे 'कम हाइट' को लेकर अंदर-ही-अंदर परेशान होते हैं। टीनएज में बच्चे खुद को अक्सर दूसरों से कंपेयर करते हैं। सोशल मीडिया ने इस प्रेशर को और बढ़ा दिया है। आपका बेटा शायद इस समय ये सोच रहा है कि 'लोग उसे कैसे देखते होंगे?' यही सोच धीरे-धीरे उसे सोशलाइजेशन से दूर कर रही है। बच्चों में हाइट को लेकर कॉम्प्लेक्सिटी के कई कारण हो सकते हैं। स्कूल में मजाक बनना, 'अच्छा दिखने' का दबाव, दोस्तों से तुलना, सोशल मीडिया का प्रभाव, पीयर रिजेक्शन का डर। हाइट कॉम्प्लेक्स का बच्चे पर क्या असर होता है? जब बच्चा दूसरों से अपनी तुलना करता है तो धीरे-धीरे उसका फोकस अपनी खूबियों से हटकर सिर्फ अपनी कमियों पर टिक जाता है। शुरुआत में यह सिर्फ शर्म या झिझक तक सीमित लग सकता है। ऐसा बार-बार होने पर बच्चे का आत्मविश्वास, व्यवहार और सोशल लाइफ सब प्रभावित होने लगता है। बच्चा लोगों से बचने लगता है।

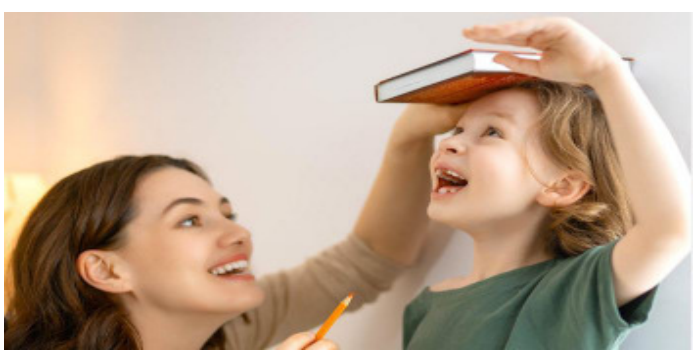

जज किए जाने का डर होता है। अंदर-ही-अंदर अकेलापन महसूस करने लगता है। अगर समय रहते इमोशनल सपोर्ट न मिले तो यह कॉम्प्लेक्सिटी उसकी सेल्फ-इमेज पर गहरा असर डाल सकती है। आइए अब समाधान पर बात करते हैं- कमी की बजाय खूबियों पर फोकस करें,यहां एक और जरूरी बात समझनी होगी कि दुनिया में सिर्फ हाइट ही ऐसा कारण नहीं है, जिसकी वजह से लोग कॉम्प्लेक्सिटी महसूस करते हैं। हर इंसान के जीवन में कोई-न-कोई कमी होती है। कोई अपने वजन को लेकर चिंतित रहता है। कोई अपने रूप-रंग को लेकर परेशान रहता है। किसी के सिर पर बाल कम होते हैं। किसी के पास पैसे नहीं होते हैं। किसी के पास पढ़ाई के साधन नहीं होते हैं। किसी के रिश्ते अच्छे नहीं होते। जीवन में सभी को सबकुछ कभी नहीं मिलता। लेकिन हम अगर सिर्फ उसी चीज पर फोकस करते रहें, जो हमारे पास नहीं है, तो धीरे-धीरे अच्छाइयां दिखनी बंद हो जाएंगी। इसलिए हमें कमी की बजाय अपनी अच्छाइयों पर फोकस करना चाहिए। बच्चे को इस बारे में आसपास के उदाहरणों से समझाएं। जैसेकि- गुलाब के पौधे में कांटे भी होते हैं और सुंदर फूल भी। अगर हम सिर्फ कांटों को देखें तो फूलों की सुंदरता का आनंद नहीं ले पाएंगे। हर दोस्त में कुछ कमियां होती हैं, लेकिन हमें उसकी अच्छाइयों पर ध्यान देना चाहिए। मैदान में कभी हार मिलती है, कभी जीत। अगर हम सिर्फ हार को याद रखें तो खेल का मजा और सीख दोनों खो देंगे। अगर किसी विषय में कम अंक आए हैं, तो सिर्फ उसी पर दुखी होने के बजाय उन विषयों को भी देखना चाहिए जिनमें अच्छे अंक आए हैं। आप बच्चे की हाइट नहीं बदल सकते, लेकिन हाइट को लेकर उसकी असुरक्षा और डर को दूर कर सकते हैं। आप उसकी सोच को बदल सकते हैं, उसे कॉन्फिडेंस दे सकते हैं और खुद से प्यार करना सिखा सकते हैं। जीवन की सच्चाई से रूबरू कराएं-बच्चे को बताएं कि हर किसी के जीवन में कोई-न-कोई कमी रहती है। उसे बताएं कि- 'हो सकता है तुम्हारी हाइट थोड़ी कम हो, लेकिन तुम्हारे हाथ-पैर सही हैं, तुम सोच सकते हो, सीख सकते हो, अपने सपने पूरे कर सकते हो। क्या तुमने कभी सोचा है- दुनिया में बहुत लोग ऐसी चीजों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जो तुम्हारे पास सहज रूप से मौजूद हैं।' यह बातें बच्चे को गिल्ट महसूस कराने के लिए नहीं, बल्कि उसके भीतर कृतज्ञता और संतुलन लाने के लिए होनी चाहिए। बेटे को ऐसे लोगों से मिलवाएं, जिन्होंने कमजोरियों को जिंदगी में आड़े नहीं आने दिया। उदाहरण के लिए, अगर कभी मौका मिले तो बेटे को किसी ब्लाइंड स्कूल ले जाएं, जहां बच्चे आंखें न होने के बावजूद लाइफ स्किल्स सीख रहे हैं। यह अनुभव बच्चे के भीतर गहरा असर छोड़ सकता है। हो सकता है इसका असर तुरंत न दिखे, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे का नजरिया बदल सकता है। उसे एहसास होगा कि जीवन सिर्फ एक कमी पर नहीं रुकता, कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता और यही जिंदगी की खूबसूरती है। ध्यान रखें, यह तुलना 'तुम्हारी समस्या छोटी है।' कहने के लिए नहीं करनी है। बल्कि इसलिए करनी है कि बच्चा जीवन को थोड़ा व्यापक नजरिए से देख सके। कमजोरियों से लड़कर सफल हुए लोगों का उदाहरण दें-आप अपने बेटे को यह भी समझा सकते हैं कि दुनिया में बहुत सारे सफल लोग ऐसे रहे हैं, जिनकी हाइट बहुत ज्यादा नहीं थी। लेकिन उन्होंने टैलेंट और आत्मविश्वास के दम अपनी पहचान बनाई। उदाहरण के लिए, स्पोर्ट्स के लिहाज से सचिन तेंदुलकर (5 फीट 5 इंच) और सुनील गावस्कर (5 फीट 4 इंच) जैसे नाम शामिल हैं। क्रिकेट जगत में इतनी लंबाई 'कम' मानी जाती है। इसके बावजूद इन्होंने अपनी लंबाई को करियर में बाधा नहीं बनने दिया। पेरेंट्स क्या गलतियां करते हैं? हाइट कॉम्प्लेक्सिटी से परेशान बच्चे के साथ पेरेंट्स जाने-अनजाने में कुछ गलतियां करते हैं, जो उनके आत्मविश्वास पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं। इसलिए पेरेंट्स को कुछ गलतियों से बचना चाहिए- दूसरे बच्चों से तुलना करना। हाइट पर मजाक करना। हार बात पर मोटिवेशन देना। रिश्तेदारों के सामने इस बारे में बात करना। भावनाओं को नजरअंदाज करना। अगर आपको लगे कि- बेटे का अकेलापन बहुत बढ़ रहा है। वह सोशलाइजेशन से बच रहा है।आत्मविश्वास कम हो रहा है। उदासी ज्यादा गहरी हो रही है। तो किसी साइकोलॉजिस्ट की मदद लेने में बिल्कुल संकोच न करें। कई बार बच्चे घरवालों से ज्यादा आसानी से किसी न्यूट्रल व्यक्ति के सामने खुल पाते हैं। अंत में यही कहूंगी कि आपका बेटा एक भावनात्मक संघर्ष से गुजर रहा है। इस समय उसे यह महसूस कराने की जरूरत है कि उसकी वैल्यू हाइट से तय नहीं होती है। पेरेंट्स का प्यार और सपोर्ट उसे धीरे-धीरे इस हीन भावना से बाहर आने में सबसे ज्यादा मदद करेगा।

10-15 करोड़ में शेख के साथ सोने का सोचूंगी

विवादित बयान पर फंसी अपूर्वा मखीजा- यूजर ने की गलत बात तो इन्फ्लूएंसर ने सिखाया सबक

मुंबई। इंडिया गॉट लेटेंट से विवादों में रह चुकीं अपूर्वा मुखिजा फिर एक बार विवादों से घिर चुकी हैं। दरअसल, हाल ही में उनका एक पुराना वीडियो कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर फिर सर्कुलेट हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा है, मैं 2 रुपए के रोल के लिए किसी के साथ नहीं सो रही, हां अगर दुबई का कोई शेख मुझ पर 10-15 करोड़ फेंककर मारे तो शायद में इस बारे में सोचूंगी। उनका वीडियो वायरल होने के बाद कुछ ट्रोलर्स ने उन्हें अलग-अलग रेट ऑफर करना शुरू कर दिया, जिस पर इन्फ्लूएंसर भड़क गईं। अपूर्वा ने ऐसे ही 12 हजार ऑफर कर रहे एक शख्स की कंपनी में ही उसकी शिकायत कर दी है। जिसके बाद कथित तौर पर उस शख्स को उनसे माफी मांगनी पड़ी है। अपूर्वा ने आपत्तिजनक कमेंट करने वाले शख्स प्रशांत के बारे में पता लगाया तो सामने आया कि शख्श प्रोडक्शन हाउस डीएनईजी में बतौर ग्राफिक्स डिजाइनर काम करता है। अपूर्वा ने उस कंपनी को मेंशन करते हुए घटना की जानकारी दी, जिसके बाद प्रोडक्शन हाउस की तरफ से जवाब आया कि वो उस शख्स की कड़ी निंदा करते हैं, हालांकि 2024 से वो लड़का उनके साथ काम करना बंद कर चुका है। अधिक जानकारी जुटाने पर सामने आया कि वो प्रशांत आईएलएम वीएफएक्स में काम करता है अपूर्वा ने उस कंपनी को टैग कर लिखा, आपकी कंपनी का कर्मचारी औरतों के लिए अपशब्द कहता है, क्या ये सही है। हालांकि अब तक उन्हें इस कंपनी की तरफ से जवाब नहीं आया है। एक्शन लेने से पहले अपूर्वा ने दी थी चेतावनी-अपूर्वा मुखिजा ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन से उस शख्स द्वारा भेजे गए मैसेजेस का स्क्रीनशॉट शेयर किया है।अपूर्वा ने आखिरी बातचीत करते हुए

कहा,मैं तुम्हारे साथ काम करने वालों को ढूंढ लूंगी और पर्सनली उन्हें मैसेज करूंगी। आगे अपूर्वा ने लिखा- तुमने कहा कि तुम मझे 12 हजार में खरीद लोगे। मैं देखना चाहूंगी कि तुम ये कैसे करते हो। जवाब में शख्स ने कहा- क्या तुम्हारे पास इतना टाइम है। अपूर्वा ने कहा- हां। इंडियाज गॉट लेटेंट से विवादों में रही हैं अपूर्वा-बीते साल फरवरी में अपूर्वा मुखीजा के खिलाफ देशभर के कई शहरों में शिकायत दर्ज हुई थी। दरअसल, अपूर्वा मुखीजा 8 फरवरी को आए समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट में जज बनी थीं। उन्होंने मजाक उड़ा रहे एक कंटेस्टेंट को फटकार लगाते हुए कुछ अपशब्द कहे थे। इसी एपिसोड में रणवीर अलाहाबादिया ने पेरेंट्स पर आपत्तिजनक कमेंट किया, जिससे शो से जुड़े लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई। रेप और जान से मारने की धमकियां मिलने के बाद अपूर्वा मुखीजा ने मुंबई छोड़ दिया था। हालांकि मामले खत्म होने के बाद अब वो मुंबई में दोबारा काम करना शुरू कर चुकी हैं। अपूर्वा मुखीजा के बारे में- अपूर्वा मुखीजा सोशल मीडिया में द रेबेल किड नाम से पॉपुलर हैं। नई दिल्ली में जन्मीं अपूर्वा महज 24 साल की हैं। इंस्टाग्राम रील से अपूर्वा को 2024 में पहचान मिली, जिसके बाद वो रियलिटी शो ट्रेटर में नजर आ चुकी हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 4.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं। अपूर्वा के यूट्यूब चैनल पर 1.43 मिलियन सब्सक्राइबर हैं।

बीमार फैन से मिलकर रोए पवन कल्याण,इलाज के लिए 1 लाख रुपए दिए

चेन्नई। आंध्रप्रदेश के उपमुख्यमंत्री और साउथ एक्टर पवन कल्याण ने दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे एक नन्हे फैन से मुलाकात की। इस मुलाकात से पहले पवन कल्याण मंदिर जाकर उनके लिए

खुद थाल लेकर आए। बिस्तर पर लेटे हुए बीमार फैन को देख पवन भावुक हो गए और उसे गले लगाकर रो पड़े। उन्होंने उस फैन के परिवार को आर्थिक मदद भी दी है। पवन कल्याण ने सोशल मीडिया के जरिए बताया है कि उन्होंने हाल ही में वारंगल जिले के हनमकोंडा के रहनेवाले निरंजन का एक वीडियो देखा था। निरंजन एक दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे हैं, जो पवन कल्याण के बड़े फैन हैं। उन्हें पवन कल्याण से मिलने की इच्छा जताई थी। इस पर पवन कल्याणन ने लिखा, 'मुझे लगा कि उनकी यह इच्छा जरूर पूरी होनी चाहिए। आज मैं उनके घर हनमकोंडा पहुंचा और उनसे मुलाकात की। निरंजन का साहस, आत्मविश्वास और कठिन परिस्थितियों का सामना करने का उनका जज्बा सचमुच प्रेरणादायक है। इतनी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद उनका मजबूत हौसला काबिले-तारीफ है।' मानहानि मामले में कोर्ट ने पवन कल्याण के पक्ष में ऑर्डर दिया-कुछ समय पहले ही सोशल मीडिया पर कई ऐसी पोस्ट की गईं, जिनमें पवन कल्याण पर झील की जमीन पर अवैध कब्जा करने के आरोप लगाए गए थे। पवन कल्याण ने इसके खिलाफ बैंग्लोर सिटी सिविल कोर्ट में याचिका दायर कर इसे मानहानिकारक बताया था। अब कोर्ट ने पवन के पक्ष में आदेश देते हुए उनके खिलाफ की गईं सभी सोशल मीडिया पोस्ट पर रोक लगा दी है। ये आदेश 24 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई तक जारी रहेगा। सोशल मीडिया पोस्ट्स में आरोप लगाए गए थे कि हैदराबाद में उनकी एक जमीन झील के फुल टैंक लेवल (एफटीएल) क्षेत्र में आती है और उस पर अतिक्रमण किया गया है। कोर्ट ने 10 जून को एक अंतरिम आदेश जारी करते हुए पवन कल्याण के खिलाफ कथित रूप से मानहानिकारक सामग्री के प्रकाशन, प्रसारण और सोशल मीडिया पर शेयर किए जाने पर अस्थायी रोक लगा दी।

तमिलनाडु सीएम थलापति विजय से मिलीं सामंथा,कहा- हमेशा से पता था वो कुछ बड़ा करने वाले हैं

चेन्नई। सामंथा रुथप्रभू ने हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एक्टर थलापति विजय से चेन्नई में मुलाकात की

है। इस स्पेशल मीटिंग की तस्वीरें पोस्ट कर सामंथा ने विजय की तारीफों के पुल बांधे हैं। सामंथा ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से तस्वीरें पोस्ट कर लिखा है, 'जब मैं आज चेन्नई पहुंची, तो मुझे बेहद खुशी महसूस हुई, क्योंकि मैं हमारे मुख्यमंत्री से मिलने जा रही थी। मुझे हमेशा लगता था कि विजय सर सिर्फ पर्दे पर हीरो बनने के लिए नहीं बने हैं। उनकी एनर्जी, उनकी मौजूदगी और लोगों का उनके प्रति प्यार हमेशा यह एहसास दिलाता था कि उनका मकसद इससे भी बड़ा है।'आगे उन्होंने लिखा, 'मुझे सबसे ज्यादा जिस बात से प्रेरणा मिलती है, वह है एक बिल्कुल नए क्षेत्र में कदम रखने का साहस। ऐसी जगह जाना, जहां दांव कहीं ज्यादा बड़े हों, जबकि आप पहले ही अपने पुराने क्षेत्र में सफलता हासिल कर चुके हों। यह फैसला इसलिए नहीं लिया जाता क्योंकि वह आसान है, बल्कि इसलिए क्योंकि आपको विश्वास होता है कि आप बदलाव ला सकते हैं।' 'मेरा मानना है कि जिंदगी में कभी न कभी हम सभी के सामने ऐसा मौका आता है, जब हमें खुद से आगे बढ़कर सोचना पड़ता है और यह सवाल पूछना पड़ता है कि हम समाज के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। लेकिन बहुत कम लोग उस पुकार का जवाब देते हैं।' आखिर में सामंथा ने लिखा, 'मुझे लगता है कि विजय सर उन लोगों को भी हैरान कर देंगे, जो पहले से ही उन पर भरोसा करते हैं। इसकी वजह उनका पद नहीं, बल्कि वह नीयत है जिसके साथ वह अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। मैं उनके लिए शक्ति, समझदारी और अपने रास्ते पर डटे रहने का साहस की कामना करती हूं। और हर युवा के लिए यह एक याद दिलाने वाली बात है कि जिंदगी उस सपने से कहीं बड़ी हो सकती है, जिससे आपने शुरुआत की थी।'इन 3 ब्लॉकबस्टर फिल्मों में दिखी विजय-सामंथा की जोड़ी- कथी (2014): एआर मुरुगाडोस द्वारा निर्देशित इस एक्शन-ड्रामा फिल्म में विजय ने डबल रोल निभाया और सामंथा उनकी लीड एक्ट्रेस थीं। थेरी (2016): एटली द्वारा निर्देशित यह एक बड़ी एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी, जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। मेर्सल (2017): यह एक सुपरहिट ड्रामा फिल्म थी जिसमें इन दोनों की जोड़ी को दर्शकों

ने काफी पसंद किया था। 19 जून को रिलीज होगी सामंथा की फिल्म-सामंथा रुथप्रभू इन दिनों अपकमिंग फिल्म मां इंती भंगारम से चर्चा में हैं।

ये फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। तृषा की फिल्म के लिए विजय ने लिया था बड़ा फैसला-विजय की गर्लफ्रेंड तृषा कृष्णन की फिल्म करुप्पू 24 मई को रिलीज हुई है।

फिल्म रिलीज से ठीक पहले फिल्ममेकर्स ने विजय से मुलाकात की थी। उन्होंने इस फिल्म के लिए मॉर्निंग शो रखे जाने की मांग की, जिसे विजय ने अप्रूवल दे दिया था। जबकि साउथ में 2023 की फिल्म थुनिवू के मॉर्निंग शो में हुई भगदड़ से एक शख्स की मौत होने के बाद इसे बंद कर दिया गया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।